www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 चुनाव प्रक्रिया से भरोसा डिगाने की चेष्टा

ट्रम्प ने चीन पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी दी 06

वर्ष :17 | अंक :147 | प्रयागराज , बुधवार , 27 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सब कुछ गठबंधन के मंच से तय होगा, राहुल गांधी मुख्यमंत्री का फैसला नहीं करेंगे, मुकेश सहनी का बड़ा बयान

आगामी बिहार चुनावों से पहले, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक मुकेश सहनी ने मंगलवार को कहा कि कोई भी एक पार्टी सरकार नहीं बनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य के मुख्यमंत्री का फैसला नहीं करेंगे और सब कुछ गठबंधन के मंच से तय होगा। सहनी ने एएनआई को बताया कि हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सरकार बनाएंगे। कोई भी एक पार्टी सरकार नहीं बनाएगी... सरकार सभी गठबंधन सहयोगियों के समर्थन से बनेगी... राहुल गांधी यह तय नहीं करेंगे कि तेजस्वी मुख्यमंत्री होंगे या नहीं... सब कुछ गठबंधन के मंच से तय होगा। सहनी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने संसदीय चुनावों में धोखाधड़ी की थी और अगर ऐसा हुआ होता तो वे सरकार बना लेते। उन्होंने आगे कहा कि हमें वोट इसलिए मिल रहे हैं क्योंकि लोगों को हम पर भरोसा है। उन्हें हम पर ज्यादा भरोसा था, भाजपा पर नहीं। हालाँकि लोगों को हम पर भरोसा है, फिर भी उन्होंने (भाजपा ने) 'वोट चोरी' की।

दीपोत्सव पर मिलेगा अयोध्या वालों को तोहफा, राम मंदिर में खुलने वाला मोम संग्रहालय

सदियों से धर्मग्रंथों, रंगमंच और उत्सवों के माध्यम से दोहराई गई रामायण की कहानी जल्द ही उत्तर प्रदेश के मंदिरों के शहर अयोध्या में अभिव्यक्ति का एक नया रूप पाएगी, जहाँ राम मंदिर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि इस दीपोत्सव पर अयोध्या में एक मोम संग्रहालय बनाया जाएगा। इस संग्रहालय में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और जटायु सहित रामायण के लगभग 50 प्रमुख पात्रों की मूर्तियाँ स्थापित की जाएँगी। 10,000 वर्ग फुट में फैले इस संग्रहालय में महाकाव्य के प्रमुख पात्रों, जिनमें राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और जटायु शामिल हैं की लगभग 50 आदमकद मूर्तियाँ स्थापित की जाएँगी। 7.5 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली इस परियोजना को भारत की आध्यात्मिक विरासत के प्रति एक श्रद्धांजलि और हर साल अयोध्या आने वाले लोगों के लिए एक नए आकर्षण के रूप में देखा जा रहा है। दीपोत्सव दिवाली से एक दिन पहले मनाया जाता है। परिक्रमा पथ पर निर्मित, 10,000 वर्ग फुट के इस संग्रहालय का उद्घाटन श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए किया जाएगा, जो उन्हें एक अनूठा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव प्रदान करेगा। रामायण के प्रमुख प्रसंगों जैसे राम-रावण युद्ध, सीता हरण, हनुमान की लंका यात्रा और राम सेतु निर्माण को भी मोम की कलाकृतियों और आधुनिक तकनीक के मिश्रण से पुनः निर्मित किया जाएगा।

संविधान सिर्फ किताब नहीं है, हिंदुस्तान की शक्ति है

राहुल गांधी का बीजेपी पर वार, बोले- वे वोट चोरी कर इसे खत्म करने में लगे हैं

वोटर अधिकार यात्रा

राहुल गांधी ने कहा कि मेरे द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस पर किसी भी बीजेपी नेता ने अपनी टिप्पणी नहीं दी, खासकर जब वे हर चीज पर टिप्पणी करते हैं। पीएम मोदी और अमित शाह ने एक शब्द भी नहीं कहा। चोर हमेशा चुप रहता है क्योंकि उसे पता होता है कि वह पकड़ा गया है।

एजेंसी

सुपौल / मधुबनी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने विरोधियों पर निशाना साधने के लिए व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है। उन्होंने दावा किया कि महात्मा गांधी के खिलाफ भी यही तरीका अपनाया गया था। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि भाजपा सरकार 40-50 साल तक चलेगी। इसलिए, मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्हें कैसे पता कि वे 40-50 साल तक सत्ता में रहेंगे? यह एक अजीब बयान था। आज देश के सामने सच्चाई सामने आ गई है कि वे (भाजपा) 'वोट चोरी' करते हैं। इसकी शुरूआत गुजरात से हुई, फिर 2014 में यह राष्ट्रीय स्तर पर आया और फिर अन्य राज्यों में... मैं झूठ नहीं बोलता, मैं केवल तभी बात कहता हूं जब मेरे पास तथ्य होते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस पर किसी भी बीजेपी नेता ने अपनी टिप्पणी नहीं दी, खासकर जब वे हर चीज पर टिप्पणी करते हैं।

"वोट चोर गद्दी छोड़' का नारा गूंजेगा- अलका लांबा

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुईं प्रियंका गांधी

भाजपा पर लगाया वोट चोरी का आरोप, कहा- बीजेपी खो चुकी है जनता का विश्वास

मधुबनी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा मंगलवार को अपने भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुईं और आरोप लगाया कि जनता का विश्वास खो चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में वोट चोरी की साजिशें रच रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गरीब जनता का एक भी वोट चोरी नहीं होने दिया जाएगा। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी सुपौल से वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुईं।प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं के साथ एक खुली एसयूवी में सवार थीं।

बिहार में गुंडाराज के अंत का आगाज हो चुका है- सुरजेवाला

फुलपरास में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा बौखलाई है और छटपटाई है लेकिन वो जान ले कि लोगों की वोट चोरी करना राष्ट्रद्रोह है. लोगों की वोट पर डाका डालना प्रजातंत्र, लोकतंत्र पर हमला है. लोगों के अधिकार और वोट के अधिकार को खत्म करना इस देश के संविधान पर बुलडोजर चलाना है. राहुल गांधी के नेतृत्व में सभी विपक्षी दल इस लड़ाई को एक स्वर से लड़ रहे हैं.

दुनिया में मेड इन इंडिया लिखी ईवी चलेगी : पीएम मोदी

मारुति की पहली ईवी को झंडी दिखाई; गुजरात प्लांट से 100 देशों को निर्यात होगी

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात से मारुति सुजुकी की ई-विटारा ईवी के वैश्विक निर्यात का शुभारंभ कर भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों का नया वैश्विक विनिर्माण केंद्र घोषित किया। इसके साथ ही, गुजरात में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड का स्थानीय उत्पादन भी शुरू हुआ, जिससे देश की बैटरी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी और आयात पर निर्भरता घटेगी।

एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप के अतिरिक्त टैरिफ लागू होने से पहले स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के एक बड़े कदम के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सुजुकी मोटर प्लांट के हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन किया और मारुति सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन, ई-विटारा, के यूरोप और जापान सहित 100 से अधिक देशों में निर्यात को हरी झंडी दिखाई। उद्घाटन से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ₹आज भारत की आत्मनिर्भरता और हरित गतिशीलता के केंद्र बनने की दिशा में एक विशेष दिन है। हंसलपुर में आयोजित कार्यक्रम में, ई-विटारा को हरी झंडी दिखाई जाएगी। यह बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) भारत में निर्मित है और इसे सौ से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा। हमारे बैटरी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए, गुजरात के एक संयंत्र में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड का उत्पादन भी शुरू होगा।गुजरात में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड का उत्पादन शुरूईवी निर्यात के शुभारंभ के साथ, प्रधानमंत्री मोदी टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे, जो डेंसो, तोशिबा और सुजुकी का एक संयुक्त उद्यम है। इस उपलब्धि के साथ, अब 80 प्रतिशत से अधिक बैटरी का निर्माण भारत में ही किया जाएगा, और इससे देश के इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात का शुभारंभ किया

हंसलपुर (अहमदाबाद) स्थित सुजुकी मोटर प्लांट के अपने दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने ई-विटारा के वैश्विक निर्यात का शुभारंभ किया, जो मारुति सुजुकी का पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह इलेक्ट्रिक वाहन, जिसे पहली बार भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शित किया गया था, अब तैयार है और जापान और यूरोपीय बाजारों सहित 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है...

सीडीएस चौहान का दो टूक, शांति चाहिए तो युद्ध के लिए तैयार रहो

महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में दो दिवसीय 'रण संवाद' सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान को परोक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि भारत शांति के पक्ष में है, लेकिन उन्होंने इसे शांतिवाद समझने की भूल न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि शक्ति के बिना शांति काल्पनिक है। महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में दो दिवसीय 'रण संवाद' सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान को परोक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।अनिल चौहान ने सम्मेलन में कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन गलतफहमी में न रहें, हम शांतिवादी नहीं हो सकते। मेरा मानना है कि शक्ति के बिना शांति एक काल्पनिक कल्पना है। मैं एक लैटिन उद्धरण कहना चाहूँगा जिसका अनुवाद है, 'अगर आप शांति चाहते हैं, तो युद्ध के लिए तैयार रहें'।26-27 अगस्त को आयोजित होने वाले इस सेमिनार में सेवारत सैन्य पेशेवरों को रणनीतिक वार्ता के अग्रभाग में लाया जाएगा और अंतिम दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्ण संबोधन देंगे। भारत के हालिया सैन्य अभियानों का ज़िक्र करते हुए जनरल चौहान ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक आधुनिक संघर्ष था जिससे हमने कई सबक सीखे हैं।

वैष्णो देवी के अर्धकुमारी में लैंडस्लाइड, 5 की मौत:14 घायल

यात्रा रुकी; जम्मू में तवी नदी के पास सड़क धंसी, गाड़ियां गिरीं

एजेंसी

जम्मू: जम्मू-कश्मीर में लगातार भारी बारिश के कारण मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों के फंसे होने की आशंका है. भूस्खलन के बाद जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित इस प्रसिद्ध मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई है. अधिकारियों के मुताबिक, दोपहर लगभग 3 बजे पहाड़ की ढलान ढह गई और पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें तेजी से नीचे गिरने लगीं. अधिकारियों ने बताया कि अधक्वारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान जारी है. कटरा से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते में एक स्थान पर भूस्खलन हुआ.मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं - हिमकोटि ट्रेक मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित थी, लेकिन दोपहर 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर यात्रा जारी थी, जब अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश को देखते हुए इसे अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया. पंजाब के मोहाली की किरण उन लोगों में शामिल थीं जो पत्थरों, पेड़ों और पत्थरों की बौछार में फंस गए. किरण को कटरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्होंने कहा, मैं दर्शन करने के बाद पहाड़ी से नीचे आ रही थी, तभी लोग चिल्लाने लगे. मैंने पत्थर गिरते देखे. मैं सुरक्षित जगह पर पहुंची, लेकिन घायल हो गई.

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अधक्वारी में भूस्खलन की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 5 लोगों की जान चली गई और 14 अन्य घायल हो गए. बचाव अभियान जारी है.

नीतीश कुमार ने लागू किया इंडस्ट्रियल पैकेज

उद्योगों को मिलेगी 40 करोड़ तक की ब्याज सब्सिडी

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि निर्यात प्रोत्साहन की सीमा 14 वर्ष की अवधि के लए 40 लाख रूपए प्रतिवर्ष होगी। इसके अतिरिक्त कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग, स्टाम्प ड्यूटी एवं भूमि रूपांतरण शुल्क की प्रतिपूर्ति, निजी औद्योगिक पार्कों को सहयोग, पेटेंट पंजीकरण एवं गुणवत्ता प्रमाणन हेतु सहायता दी जाएगी।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं।इसी कड़ी में बिहार में उद्योग क्रांति लाने को लेकर बड़ा ऐलान किया गया है। नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा कि बिहार में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बियाडा एमनेस्टी पॉलिसी 2025 के बाद अब नया बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 लागू किया है।इसके तहत 40 करोड़ रूपए तक की ब्याज सब्सिडी दी जाएगी। नई इकाइयों को स्वीकृत परियोजना लागत का 300 प्रतिशत तक शुद्ध की प्रतिपूर्ति 14 वर्षों के लिए की जाएगी। 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाएगी।मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि निर्यात प्रोत्साहन की सीमा 14 वर्ष की अवधि के लए 40 लाख रूपए प्रतिवर्ष होगी।

दिल्ली अस्पताल घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन

सौरभ भारद्वाज के घर रेड से सियासत गरम

अस्पताल निर्माण घोटाले में ईडी की धुआंधार कार्रवाई! प्रवर्तन निदेशालय ने सौरभ भारद्वाज सहित दिल्ली-एनसीआर के 13 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली है। यह जांच कथित अनियमितताओं और धन शोधन के आरोपों पर केंद्रित है, जिससे राजनीति में हड़कंप मच

एजेंसी

दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा है। यह कार्रवाई अस्पताल निर्माण परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। ईडी ने यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत की है। मामले से जुड़ी गुप्त जानकारी के आधार पर, दिल्ली-एनसीआर में कुल 13 जगहों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया गया, जिनमें भारद्वाज का आवास भी शामिल है। यह जांच दिल्ली अस्पताल निर्माण घोटाले से संबंधित है, जिसके लिए ईडी ने प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। यह ईसीआईआर 26 जून, 2025 को दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर (संख्या 37/2025) पर आधारित है। एफआईआर में दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों, निजी ठेकेदारों और अज्ञात सरकारी अधिकारियों पर आरोप लगाए गए थे।

ईडी की छापेमारी पर भड़के संजय सिंह

आप नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ ईडी की छापेमारी पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा, 'सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दर्ज मामला झूठा और निराधार है। जिस समय ईडी ने मामला दर्ज किया था, उस समय वह मंत्री भी नहीं थे... आप नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करना और उन्हें जेल में डालना मोदी सरकार की नीति है.

हिंद महासागर में चल रहा शक्ति प्रदर्शन...

राजनाथ सिंह ने मजबूत समुद्री तैयारी पर दिया जोर

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताएं, जैसे तेल और प्राकृतिक गैस, काफी हद तक हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा पर निर्भर करती हैं। उन्होंने कहा कि नौसेना की भूमिका केवल समुद्र में गश्त तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का एक प्रमुख स्तंभ है।

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश के पूर्वी हिस्से में सुरक्षा चुनौतियों और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में शक्ति-संचालन की गतिशीलता के कारण भारत को अपनी समुद्री तैयारियों को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता है। आंध्र प्रदेश में भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान में दो स्टील्थ फ्रिगेट के जलावतरण के अवसर पर बोलते हुए, सिंह ने कहा कि जब हम पूर्वी हिस्से की ओर देखते हैं, तो हमें वहाँ भी समान सुरक्षा चुनौतियाँ दिखाई देती हैं। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हिंद महासागर में चल रहा शक्ति प्रदर्शन हमें बार-बार सचेत करता है। यहाँ कई देशों के हित आपस में टकराते हैं, और इसी वजह से हमें भी अपनी समुद्री तैयारियाँ मजबूत रखनी होंगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर हम भारत के पश्चिमी क्षेत्र की बात करें।

सवाल कभी बिहार के डीएनए पर उठाया था सवाल, पीके और बीजेपी के निशाने पर आई कांग्रेस

राहुल की यात्रा में शामिल हुए रेवंत रेड्डी

एजेंसी

नयी दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए और देश में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की लड़ाई का समर्थन किया। हालांकि, रेवंत रेड्डी के बिहार पहुंचने पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा और प्रशांत किशोर ने कांग्रेस और महागठबंधन पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि राहुल गांधी बिहार के दौरे पर हैं, प्रियंका गांधी भी यहां हैं। वे सभी तेजस्वी यादव का समर्थन करने आए हैं। वे क्या कर रहे हैं? भाजपा नेता ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव ने ऐसे नेताओं को आमंत्रित किया है जिन्होंने बिहार और बिहारियों के डीएनए पर सवाल उठाया और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। बिहार की जनता आपको सबक सिखाएगी। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में आपका सफाया हो जाएगा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि रेवंत रेड्डी कौन हैं? वह ऐसे व्यक्ति हैं जो बिहार और बिहार के लोगों के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। बिहार में रेवंत रेड्डी की क्या स्थिति है? उन्होंने बिहार के लिए क्या किया है? उन्होंने बिहार के लोगों को गालियाँ दी हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि उन्होंने कहा था कि मजदूरी बिहार के लोगों के डीएनए में है। अगर रेवंत रेड्डी बिहार के किसी भी गाँव में जाते हैं, तो लोग उन्हें लाठी लेकर दौड़ाएँगे...राहुल गांधी उन्हें अपने मंच पर बुलाते हैं, यह उनकी मानसिकता को दशार्ता है कि वह ऐसे व्यक्ति को मंच पर बुला रहे हैं जो बिहार के लोगों को गालियाँ देता है। रेड्डी ने कथित तौर पर संवाददाताओं से कहा था कि उनके पूर्ववर्ती, तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री, के चंद्रशेखर राव (केसीआर) में बिहार डीएनए है, जिससे संकेत मिलता है कि वह दक्षिणी राज्य के लिए केसीआर से बेहतर विकल्प थे। रेड्डी ने कथित तौर पर कहा था कि मेरा डीएनए तेलंगाना है। केसीआर का डीएनए बिहार है। वह बिहार से ताल्लुक रखते हैं। केसीआर की जाति कुर्मी है। वे बिहार से विजयनगरम और फिर वहाँ से तेलंगाना चले गए। तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है।

"भाजपा नेता ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव ने ऐसे नेताओं को आमंत्रित किया है जिन्होंने बिहार और बिहारियों के डीएनए पर सवाल उठाया और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। बिहार की जनता आपको सबक सिखाएगी। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में आपका सफाया हो जाएगा।

डीके शिवकुमार ने मांगी मांफी, बोले- मैं जन्म से कांग्रेसी हूं, मरते दम तक कांग्रेसी ही रहूंगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि यदि विधानसभा में आरएसएस का गान सुनाने संबंधी उनकी टिप्पणी से कांग्रेस नेताओं या विपक्ष के इंडिया ब्लॉक सहयोगियों को ठेस पहुंची है तो वह माफी मांगने को तैयार हैं। डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधने के लिए मजाक में की गई थी, लेकिन कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए इसका दुरुपयोग कर रहे हैं... मैं उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता। अगर किसी को ठेस पहुँची है, तो मुझे उनके लिए दुख है। मैं उन सभी से माफी माँगना चाहता हूँ।

डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधने के लिए मजाक में की गई थी, लेकिन कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उनका किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था और अगर उनकी टिप्पणी से उनके सहयोगियों को ठेस पहुँची है तो वे खेद व्यक्त करते हैं।

चुनाव प्रक्रिया से भरोसा डिगाने की चेष्टा

नेताओं के शब्द उनके समर्थकों के लिए मंत्र की तरह होते हैं। इसे वे अपने लिए दिशानिर्देश की तरह लेते हैं। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उन्हें अपनी भाषा और शब्दावली पर संयम बरतना चाहिए। वोट-चोरी जैसा नारा मुमकिन है कि कुछ भीड़ आकर्षित कर ले किंतु इससे लोकतंत्र के आत्मा को गहरी चोट पहुंच रही है।

पा कई बार आधारहीन, किंतु लोक-लुभावन जुमले लोकतंत्र को घातक चोट पहुंचाते हैं। वोट-चोरी जैसा आरोप इसी तरह के प्रयासों में से एक है। लोकतंत्र केवल चुनावों से ही नहीं, अपितु चुनाव-प्रक्रिया पर जनता के भरोसे पर पुष्पित-पल्लवित होता है। इसके लिए जरूरी है कि मतदान केंद्र पर कतार में अपनी बारी का इंतजार करते हुए मतदाताओं के मन में यह अटूट भरोसा हो कि उनका वोट सुरक्षित है और उनका निर्णय देश की दिशा तय करेगा। हाल के दिनों में कांग्रेस की आगुआई में कुछ दलों द्वारा वोट-चोरी जैसे आरोपों ने इस विश्वास को चुनौती देने का प्रयास किया है। इससे चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की साख को चोट पहुंच रही है। संविधान निमार्ताओं ने संविधान के भाग-15 में एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोग की स्थापना की। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए संसद ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 तथा रजिस्ट्रेशन आफ इलेक्टोरल रूल्स-1960 बनाया, जिनमें मतदाता सूची के निर्माण, उसका प्रकाशन, उन पर आपत्तियों का आमंत्रण और उनके सम्यक निस्तारण की चरणबद्ध व्यवस्था है। यदि कोई व्यक्ति किसी

अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट है तो उसे अपील का अधिकार है। उसके पास अनुच्छेद 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय जाने का विकल्प भी उपलब्ध है। इस पूरी कानूनी व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि किसी के साथ अन्याय न हो। एक व्यक्ति को केवल एक जगह ही मतदान का अधिकार हो। किसी का नाम छूट गया है तो वह अपना नाम जोड़ने के लिए आवेदन करे और किसी ऐसे व्यक्ति का नाम जुड़ गया है, जो मतदाता होने का हकदार नहीं है, तो उस पर आपत्ति दर्ज करके उसे हटाया जा सके। यह पूरी प्रक्रिया दुनिया के दूसरे किसी भी लोकतंत्र से अधिक पारदर्शी है। यही कारण है कि शीर्ष न्यायालय ने कभी इस प्रक्रिया पर प्रश्न नहीं उठाया। चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों का सबसे निराशाजनक पहलू यह है कि यह अपनी असफलता को छिपाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि देर-सबेर जनता इसकी सच्चाई को समझ जाएगी, किंतु कई बार इससे फौरी तौर पर घातक और कई बार अपूरणीय क्षति हो जाती है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के चुनावों के बाद इसी तरह के जुमले का प्रयोग करते हुए चुनाव-चोरी का आरोप लगाया था। परिणाम यह हुआ कि अमेरिका के लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार कैपिटल हिल पर हिंसा भड़क उठी और अमेरिकी लोकतंत्र की छवि को गहरी चोट पहुंची। ब्राजील भी इस तरह के आरोपों की सजा भुगत चुका है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश भी इसकी कीमत चुका रहे हैं। चूंकि हमारे देश में एक मजबूत कानूनी एवं न्यायिक ढांचा है और अधिकांश जनता भी परिपक्व है, लिहाजा किसी उथल-पुथल की आशंका नहीं है। इस तरह के सस्ते हथकंडों का प्रयोग राजनीतिक दलों की नींव को ही कमजोर करता है। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है। यदि किसी व्यक्ति को मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में किसी का नाम जुड़ने या हटने पर आपत्ति है, तो उसे अदालत जाने का अधिकार है, किंतु इन विकल्पों के प्रयोग के बजाय किसी प्रमाण के बिना ही वोट चोरी जैसे जुमले के प्रयोग से जनता में भ्रम और संदेह फैलता है, जो किसी के भी हित में नहीं है। राजनीतिक दलों का दायित्व है कि वे राजनीतिक लड़ाई के लिए झूठ और फरेब का सहारा न लें। वे जनता को लोकतंत्र की शक्ति में विश्वास दिलाएं। उन्हें निराश न करें। संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रहार करना दीर्घकालिक रूप से लोकतंत्र को कमजोर करता है। ऐसा करके दल अनजाने में उसी डाल को काट रहे होते हैं, जिस पर वे बैठे हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि वे तभी तक सुरक्षित हैं, जब तक लोकतंत्र की जड़ों को जनविश्वास का पोषण मिलता रहता है। एक बार उसके टूटने पर सबकी सुरक्षा खतरे में पड़ती है। परिपक्व लोकतंत्र में राजनीतिक दलों से विशेष रूप से अपेक्षा की जाती है कि संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना तथ्यों पर आधारित हो। यदि किसी को कोई आपत्ति है, तो वह अनर्गल आरोपों के बजाय कानूनी प्रक्रिया के द्वारा उसका हल ढूंढे। नेताओं के शब्द उनके समर्थकों के लिए मंत्र की तरह होते हैं। इसे वे अपने लिए दिशानिर्देश की तरह लेते हैं। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उन्हें अपनी भाषा और शब्दावली पर संयम बरतना चाहिए। वोट-चोरी जैसा नारा मुमकिन है कि कुछ भीड़ आकर्षित कर ले, किंतु इससे लोकतंत्र के आत्मा को गहरी चोट पहुंच रही है। चुनाव आयोग पर लगाए जाने वाले आरोपों और आयोग के जवाब से यह साफ है कि देश को अभी भी संवैधानिक मयार्दा और जिम्मेदार राजनीति की जरूरत है। यदि संविधान में सच्ची आस्था है तो दलों को लोकतंत्र को सुरक्षित रखने के लिए संस्थाओं का सम्मान करना चाहिए। यही जन-विश्वास को बनाए रखने का एकमात्र रास्ता है।

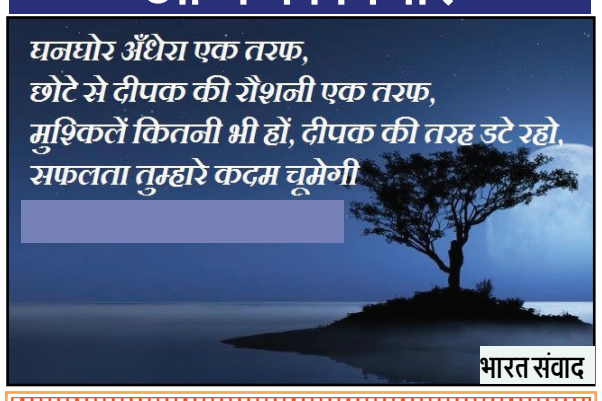

सम्पादकीय

विकास विरोधी ताकतों का पर्दाफाश कैसे भारत की प्रगति में बाधाएँ डाली जा रही हैं

कथित पर्यावरणीय चिंताओं के नाम पर योजनाबद्ध हिंसक प्रदर्शनों के चलते तूतूकुड़ी (तूतीकोरिन) स्थित वेदांता समूह के स्वामित्व वाले स्टरलाइट तांबा स्मेल्टर को 2018 में बंद करना पड़ा। 2017-2018 तक भारत विश्व के शीर्ष पांच तांबा निर्यातकों में शामिल था किंतु अब देश तांबे का आयातक है। यह बताता है कि किस प्रकार पर्यावरण हित के नाम पर देश की आर्थिक-सामरिक क्षमता को क्षति पहुंचाई जाती है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने उन शक्तियों को फिर बेनकाब कर दिया, जो पर्यावरण-मानवाधिकार के मुखौटे पहनकर देश के विकास को दशकों से बाधित कर रही हैं। इसी योजनाबद्ध प्रपंच का परिणाम है कि भारत और चीन, जो 1985 तक आर्थिक विकास की दृष्टि से बराबर थे और दोनों देशों में प्रति व्यक्ति जीडीपी समतुल्य (293 डालर) था, उनके बीच अब बहुत अंतर आ गया है। चीन की वर्तमान प्रति व्यक्ति जीडीपी 13,300 डालर है, तो भारत का आंकड़ा 2,800 डालर है। चीनी अर्थव्यवस्था लगभग 19.5 ट्रिलियन डालर और भारतीय अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डालर की है। यह विषमता केवल संयोग नहीं, बल्कि विकास विरोधी ताकतों का भी प्रत्यक्ष परिणाम है। सबसे पहले पूरा मामला जान लेते हैं। 11 अगस्त को शीर्ष अदालत ने मेधा पाटकर को मानहानि के मामले में निचली अदालत द्वारा दोषसिद्धि के निर्णय को बरकरार रखा। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय से भी मेधा को निराशा हाथ लगी थी। पाटकर को राहत केवल इसकी है कि निचली अदालत द्वारा लगाया आर्थिक दंड निरस्त कर दिया गया। मामला 2000 का है, जब दिल्ली के वर्तमान उपराज्यपाल वीके सक्सेना की पंजीकृत समिति नेशनल काउंसिल आफ सिविल लिबर्टीज (एनसीसीएल) गुजरात में सरदार सरोवर बांध परियोजना का समर्थन कर रही थी, जबकि पाटकर के नेतृत्व में नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) पर्यावरण-मानवाधिकार के नाम पर विरोध कर रहा था। उस समय एनसीसीएल ने एक समाचार पत्र में मेधा पाटकर और उनके नर्मदा बचाओ आंदोलन का असली चेहरा नाम से विज्ञापन प्रकाशित किया। इसके प्रत्युत्तर में पाटकर ने देशभक्त का असली चेहरा... नाम से एक प्रेस-नोट जारी किया। इसके ही खिलाफ वीके सक्सेना ने सफल कानूनी लड़ाई लड़ी। इस प्रकरण ने मानहानि के साथ उस विडंबना को भी उजागर किया, जिसमें भारत की विकासयात्रा चीन और अन्य देशों से पिछड़ती चली गई। चीन ने यांग्त्जी नदी पर 22,500 मेगावाट की क्षमता वाला विशाल थ्री गार्जेस बांध लगभग एक दशक में पूरा कर लिया। इस दौरान 13 नगर, 140 कस्बे और 1,350 गांव डूब गए और लगभग 13 लाख लोगों का विस्थापन हुआ।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: दिन उत्तम रहने वाला है और समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार के मामले में भी समय अनुकूल रहने वाला है और आपको अचानक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में फायदा मिलने की संभावना है

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी और आपको भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। समाज में मान-सम्मान मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और कामकाज में आ रही बाधाएं दूर होने लगेंगी। अपने कार्यों में सफलता प्राप्त होने से आपको बहुत सुकून महसूस होगा

मिथुन राशि : आपका पूरा दिन व्यापार और कारोबार के मामले में बेहतरीन रहने वाला है। सुख के साधनों में वृद्धि होगी और बिजनेस करने वालों को लाभ कमाने के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में किसी भी समस्या का समाधान आप आसानी से निकाल लेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे।

कर्क राशि : कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं, जिससे तनाव काफी हद तक कम होगा और मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर आपको किसी उच्च अधिकारी के सहयोग से लाभ मिलने की संभावना है और प्रमोशन भी मिल सकता है।

सिंह राशि : आपको कार्यस्थल पर प्रतिद्वंदियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। वहीं, कारोबार में आपको अचानक अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी

कन्या राशि : अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से किसी समस्या या बाधा का सामना कर रहे थे तो अब उससे छुटकारा मिल सकता है। इससे आपका सारा तनाव दूर हो जाएगा।

तुला राशि : व्यापार के मामले में आप कुछ योजनाएं बनाने में व्यस्त रह सकते हैं। साझेदारी में काम करने और कुछ साहसिक निर्णय लेने से आपको लाभ प्राप्त होने की संभावना है। लेकिन आपको किसी भी बाहरी व्यक्ति से अपने मन की बात साझा करने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में आप कुछ कार्यों को लेकर उलझन में रह सकते हैं। ऐसे में जरूरी काम को पूरा करने में देरी हो सकती है। आपको किसी प्रकार के विवाद या बहस का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में शांति और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा, अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है।

धनु राशि : दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त हो सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रतियोगिता या परीक्षा में सफल होने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। व्यापार के मामले में कुछ योजनाओं के आगे बढ़ने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

मकर राशि : आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी काम या डील के सिलसिले में दिनभर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऐसे में आपका पूरा दिन व्यस्त रहेगा। लेकिन कार्यस्थल पर स्थिति धीरे-धीरे सुधरती जाएगी और आपके बिगड़े काम बनने लगेंगे।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपके सामने अचानक कई काम एक साथ आ सकते हैं। ऐसे में कुछ समय के लिए उलझन महसूस हो सकती है। कार्यस्थल पर आपको अपने विरोधियों से भी सावधान रहना होगा, अन्यथा वे आपके काम में बाधा डाल सकते हैं। किसी सीनियर से अपने मन की बात करना लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

मीन राशि: आपको अपने रोजगार को सही तरीके से चलाने के लिए प्रयास करने होंगे। तभी जाकर सफलता प्राप्त होगी। व्यवसाय के विस्तार के लिए आपको कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं और यह समय भी आपके लिए अनुकूल रहेगा। आर्थिक मामलों में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे, जिससे धन वृद्धि के योग बन रहे हैं। बिजनेस में साझेदारी में काम करने से लाभ मिलने की संभावना है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

ललित गर्ग

PTI

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-ह्ययह युद्ध का दौर नहीं है ह्न यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। ह्यऑपरेशन गंगाह्न के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि ह्यविश्वगुरुह्न के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-ह्यशांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।

भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-अहिंसा परमो धर्मः। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को ह्यशांति क्षेत्रह्न बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है।

2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-ह्यआज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है ह्न भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि ह्यशांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं ह्न इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा।

चरित्र और आदर्श की कीमत पर सफलता और विकास निरर्थक

संजीव ठाकुर

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है।

जिलाधिकारी ने मुण्डेरा मण्डी स्थित वेयर हाउस का किया निरीक्षण

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने मंगलवार को मुण्डेरा स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट के वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट का भण्डारण सुरक्षित ढंग से पाया गया। उन्होंने वहां पर सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, सुरक्षा व्यवस्था तथा बारिस के दृष्टिगत कक्षों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वेयर हाउस में सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, चकबन्दी विभाग के अधिकारी सहित निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि विभागाध्यक्ष को मिला राजभाषा गौरव पुरस्कार

प्रो. (डॉ.) शिव शंकर सिंह को राजभाषा गौरव पुरस्कार 2024 से नवाजा जाएगा

भारत संवाद

प्रयागराज, प्रयागराज की शैक्षणिक एवं विधिक जगत के लिए गौरव का क्षण है कि ख्यातिप्राप्त विधिवेत्ता, लेखक एवं शिक्षाविद् प्रो. (डॉ.) शिव शंकर सिंह को उनकी उल्लेखनीय पुस्तक बौद्धिक सम्पदा अधिकार के लिए भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा गौरव पुरस्कार 2024 से सम्मानित किए जाने की घोषणा हुई है। उन्हें यह पुरस्कार विधि श्रेणी के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें आगामी हिंदी दिवस समारोह 2025 एवं पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर भव्य आयोजन के दौरान प्रदान किया जाएगा। यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 14 और 15 सितंबर, 2025

को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्ज़िबिशन सेंटर, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित होगा। देशभर से आए विशिष्ट अतिथियों एवं विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रो. (डॉ.) सिंह को यह सम्मान मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रो. (डॉ.) शिव शंकर सिंह वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि विभाग में विभागाध्यक्ष के पद पर

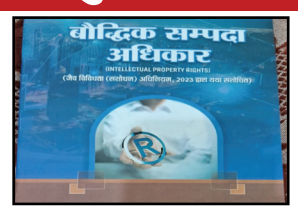

कार्यरत हैं। शिक्षण के साथ-साथ उन्होंने विधि क्षेत्र में हिंदी भाषा में मौलिक लेखन को विशेष बढ़ावा दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रो. सिंह की विधि से संबंधित अब तक दस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें पाँच हिंदी भाषा में तथा पाँच अंग्रेजी भाषा में हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अब तक 40 शोध पत्र भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाशित किए हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल प्रयागराज के लिए बल्कि पूरे विधि जगत और हिंदी साहित्य जगत के लिए भी गर्व का विषय है।इस अवसर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रो. (डॉ.) शिव शंकर सिंह ने कहा - यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। यह पुरस्कार केवल मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि मेरे विद्यार्थियों, सहकर्मियों और उन सभी के सहयोग का परिणाम है जिन्होंने सदैव मुझे प्रेरित किया। हिंदी में विधि संबंधी लेखन को प्रोत्साहित करना मेरा दायित्व है और यह सम्मान मुझे और अधिक जिम्मेदारी का अहसास कराता है।गौरतलब है कि राजभाषा गौरव पुरस्कार प्रतिवर्ष उन लेखकों, विद्वानों और शोधकताओं को दिया जाता है जिन्होंने हिंदी भाषा में मौलिक लेखन कर विभिन्न विधाओं में महत्वपूर्ण योगदान किया हो। इस सम्मान की घोषणा से प्रयागराज के शैक्षणिक जगत एवं विधि संकाय से जुड़े शिक्षकों और विद्यार्थियों में हर्ष की लहर है।

फास्ट ट्रैक

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांक 23.08.2025 को वादी रोहन मिश्र पुत्र सृष्टि नारायण मिश्र निवासी आवाश विकास कालोनी थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पत्नी का शिक्षा विभाग में संविदा के विभिन्न पदो पर नौकरी व इंटरव्यू के नाम पर धोखे से पैसा मागने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0कटरा मु0अ0सं0-256/2025 धारा 318(4),319(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना प्रभारी को0कटरा को अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं ।उक्त निर्देश के क्रम में थाना को0कटरा पुलिस टीम द्वारा दिनांक 26.08.2025 को मुखबिर के सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद व प्रकाश में आये 02 नफर अभियुक्तगण 1. अश्वनी कुमार पुत्र स्व0 उमा शंकर निवासी ग्राम दूनैया पाण्डेय पोस्ट हरिहरपुर बेदौली थाना पड़री जनपद मीरजापुर व 2. दीपचन्द्र कश्यप पुत्र शंकर लाल निवासी ग्राम लखनपुर थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 318(4),319(4),338,336(3),340(2),61(2) बीएनएस में गिरफ्तार किया गया है । अभियुक्तो के कब्जे से 39900 रुपए व 04 अदद मोबाइल फोन बरामद किया गया ।उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0कटरा पुलिस द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

नगर आयुक्त प्रयागराज की द्वारा की गयी पार्किंग प्रबन्ध समिति की बैठक

भारत संवाद

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज की अध्यक्षता में पार्किंग नीति के सम्बन्ध में निगम के समस्त जोनल कार्यालयों के जोनल अधिकारियों के साथ तथा ए0डी0सी0पी ट्रैफिक श्री कुलदीप सिंक की अध्यक्षता में बैठक की गयी इस दौरान अपर नगर आयुक्त श्री अरविन्द राय, श्री दीपेन्द्र यादव, संभागीय परिवहन प्रयागराज श्री आनन्द, प्रभारी प्रवर्तन श्री दिनेश तनवर, जोनल अधिकारी श्री अशोक कुमार, श्री श्याम कुमार, श्री नवनीत संख्यवार, श्री अखिलेश त्रिपाठी, सिटी ट्रांसपोर्ट श्री राजमणि यादव, यातायात निरीक्षक श्री अमित कुमार आदि उपस्थित रहे।बैठक का उद्देश्य-उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्रयागराज में पार्किंग व्ययवस्था चुस्त दुरूस्त किये जाने हेतु ठोस रणनीति बनाया जाना अतिआवश्यक है जिसके लिए आम जनमानस को पार्किंग की सुविधा मुहैया कराया जाना नितान्त आवश्यक है इस सभी विषयों को

लेकर आज दिनांक 26 अगस्त 2025 को दोपहर 01 बजे पार्किंग सम्बन्धी अहम बैठक की गयी जिसमें निर्णय लिया गया। समुचित विकास के लिए पार्किंग जैसी अहम सुविधा के साथ सुरक्षित जगह मुहैया कराना अतिआवश्यक है जिसके लिए स्थल का चिन्हांकन किया जाना अति आवश्यक है। संयुक्त रूप से बैठक के दौरान निर्णय लिया गया 20 से 25 दिनों में यातायात विभाग के अधिकारियों एवं नगर निगम प्रयागराज के अधिकारियों के संयुक्त रूप से संभावित पार्किंग स्थल, पार्किंग की क्षमता के लिए स्थल का चयन तथा सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। सर्वप्रथम एम0 जी0 मार्ग, ड्रमण्ड रोड, सरदार पटेल मार्ग, बी0एच0एस0 स्कूल के पास, पी0डी0टण्डन मार्ग, थार्नहिल रोड, स्वरूप रानी मार्ग, कचहरी रोड तथा सेन्ट जोजफ स्कूल वाले मार्गो का सर्वे कराया जाएगा, इन क्षेत्रों के अतिरिक्त भी ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न होती है तो उक्त स्थलों पर भी संयुक्त रूप से सर्वे कराते हुए सूची प्रस्तुत की जाएगी। नगर आयुक्त द्वारा नो ट्रैफिक जोन की सूची प्रेषित किये जाने के निर्देश यातायात विभाग को दिये गये।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया रेल दावा अधिकरण के बार कक्ष एवं लिटिगेंट शेड का उद्घाटन

भारत संवाद

आज दिनांकः 26.08.2025 को महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी ने पुराने महाप्रबंधक कार्यालय बाल्मीकी चौराहा प्रयागराज में रेल दावा अधिकरण, इलाहाबाद पीठ में बार कक्ष एवं लिटिगेंट शेड का फीता काटकर उद्घाटन कियो इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष (उत्तर) रेल दावा अधिकरण श्री मुकेश निगम , माननीय सदस्य (न्यायिक) रेल दावा अधिकरण श्री संजीव अग्रवाल , अध्यक्ष बार एसोसिएशन, रेल दावा अधिकरण श्री डी.के. त्रिपाठी, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री शरत चंद्रायन, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री बृजेंद्र कुमार, मंडल रेल प्रबन्धक प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल एवं उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारी उपस्थित रहे ।इस अवसर पर महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि यहाँ पर नया बार एशोसिएशन कक्ष का निर्माण किया गया जिसकी बहुत पहले से आवश्यकता थी जो आज पूरी हो गई है। उन्होंने इस कार्य समपन होने पर निर्माण कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी को धन्यवाद भी दिया । उन्होंने आगे कहा कि, भारतीय रेल एक बहुत बड़ा संगठन है जिसने लाखो कर्मचारी अपनी सेवा दे रहे है रेलवे प्रति दिन लगभग 02 करोड़ यात्रियों को ट्रेन की सुविधा देते है और इसी तरह लगभग 04 मिलियन टन की माल दुलाई भी करते है जिसमे उत्तर मध्य रेलवे भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है ।रेल यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा से संबधित सहायता जैसा दावा एवं क्लेम के लिए रेल दावा अधिकरण के तहत निस्तारण करने में योगदान देता है । माननीय उपाध्यक्ष

(उत्तर) रेल दावा अधिकरण श्री मुकेश निगम ने बताया कि पहले अधिकारियों और कर्मचारियों को अक्सर लखनऊ, गोरखपुर और गाजियाबाद जाना पड़ता था। इससे गरीब आवेदकों के लिए और भी कष्टदायक था जो प्रयागराज और उसके आसपास के निवासी हैं और जिन्हें दूर स्थित रेलवे दावा न्यायाधिकरणों में जाना पड़ता था।इस आवश्यकता को समझते हुए, दिनांक 13.10.2019 को प्रयागराज में भी रेलवे दावा अधिकरण की 20 वीं बेंच बनाई गई। रेल दावा अधिकरण रेल यात्रियों को अपना अधिकार या गरीब पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाता है और ईमानदार प्रयासों से इलाहाबाद पीठ समय से कार्य कर रहा है ।इस नए कक्ष से बाहर से आने वाले लिटिगेंट और हमारे सम्मानित अधिवक्ताओं को कार्य करने में सहूलियत होगी। इससे उन लोगों को इधर उधर भटकना नही पड़े गा और इससे कार्यालय का कार्य भी प्रभावित नही होगा।अध्यक्ष बार एसोसिएशन, रेल दावा अधिकरण श्री डी.के. त्रिपाठी ने रेल प्रशासन को इस नए बार कक्ष के लिए धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा इस नए कक्ष से न्याय व्यवस्था में एक बड़े स्तंभ की भूमिका होगी।

प्रत्येक किसान के दरवाजे पर कम से कम अवश्य हो दो-दो गाय-बूढ़ी गाय के गोबर/गो मूत्र खेती के लिए वरदान -मा0 अध्यक्ष गो सेवा आयोग

- मा0 अध्यक्ष गो सेवा आयोग ने प्रेसवार्ता कर गौवंशो के लालन पालन से होने वाले लाभ के बारे में दी जानकारी- किसानों को गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती पर दिया बल
- गो-तस्करी रोकने हेतु एडीजी स्तर और जनपद स्तर पर एएसपी स्तर के अधिकारियों को नामित किया जाएगा नोडल अधिकारी

भारत संवाद

मीरजापुर , उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग मा0 अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने आज जनपद भ्रमण के दौरान नगर पालिका परिषद द्वारा टांडा फाल में संचालित गो आश्रय स्थल एवं सुरभी शोध संस्थान गौशाला तपोवन तथा विजयपुर में स्थित गौशाला का निरीक्षण कर गौवंशो की स्थिति, चारा/हरा चारा, चोकर आदि की उपलब्धता के साथ समुचित उपचार के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में मा0 उपाध्क्ष श्री महेश कुमार शुक्ला ने अलग-अलग गौशालाओं में भ्रमण कर निरीक्षण किया।मा0 सदस्य गो सेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय ने नगर पंचायत कंछवा में संचालित गौ आश्रय स्थल एवं विकास मझवां अन्तर्गत एक गौशाला का निरीक्षण कर पशुओं के स्वास्थ्य व चारा आदि के बारे में जानकारी ली। मा0 सदस्य दीपक गोयल व राजेश सेंगर द्वारा भी अलग-अलग गौशालाओं में जाकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात मा0 अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने अष्टभुजा निरीक्षण गृह सभागार में प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गौवंशो के समुचित देखभाल व रखरखाव हेतु वर्तमान में प्रदेश की लगभग 7717 गौशालाओं में 12 लाख 58 हजार गोवंश संरक्षित हैं। इन गोशालाओं को प्रशिक्षण केन्द्रों के रूप में विकसित कर प्राकृतिक कृषि, बायो गैस ऊर्जा एवं पंचगव्य उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण और रोजगार मिल सके। मण्डल स्तरीय गोआधारित प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। चारागाह भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर उसे गोवंश के लिए चारा उत्पादन हेतु उपयोग में लाया जाएगा। आई0एफ0आर0आई0 झांसी के माध्यम से बहुवर्षीय और मौसमी चारे का उत्पादन और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रयागराज मण्डल ने हरदुआगंज साईडिंग संचालन के लिए किया भारतीय खाद्य निगम/ अलीगढ़ के साथ एग्रीमेंट

भारत संवाद

मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज श्री रजनीश अग्रवाल के दिशा निर्देशन में प्रयागराज मण्डल में मालभाड़ा परिवहन की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए योजनबद्ध सतत प्रयास किए जा रहे हैं ।प्रयागराज मण्डल ने मालभाड़ा परिवहन में शानदार प्रदर्शन करते हुये चालू वित्तीय वर्ष में सराहनीय कार्य किया है । परिवहन के क्षेत्र में अच्छी सेवाएँ उपलब्ध कराने से प्रयागराज मण्डल में माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि हो रही है । सस्ते किराए, सुगम परिवहन, निर्धारित समय पर सुरक्षित डिलीवरी, व्यापार और उद्योग जगत के साथ निरंतर संपर्क और सार्थक संवाद से प्रयागराज मण्डल लगातार अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहा है। दिनांक 25.08.2025 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक (गुड्स)/ प्रयागराज मण्डल, श्री अतुल यादव एवं मण्डल प्रबन्धक, भारतीय खाद्य निगम/अलीगढ़ के मध्य इस साइडिंग को संचालन हेतु साइडिंग एग्रीमेंट किया गया है ।प्रयागराज मण्डल के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है ।प्रयागराज मण्डल ने ह्यलीप एग्री लोजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर वर्ष 2012 से बंद पड़ी हरदुआगंज के निकट एफसीआई साइडिंग को DBFOT (Design, Build, Finance, Operate, Transfer) मोड पुनर्विकसित किया है । इस परियोजना के अंतर्गत 50,000 मीट्रिक टन क्षमता के अत्याधुनिक साइलो का निर्माण किया गया है । इससे प्रतिमाह लगभग 2 रेक खाद्यान्न (फूड ग्रेन) की अनलोडिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला को गति प्रदान करने और रेलवे के माल ढुलाई राजस्व में वृद्धि करने में मदद मिलेगी ।प्रयागराज मण्डल, माल ढुलाई सेवाओं की कुशलता और विश्वसनीयता को निरंतर बेहतर बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस साइडिंग के पुनः संचालन से क्षेत्रीय विकास एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन को भी बल मिलेगा।

थाना जिगना पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना जिगना जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 24.08.2025 को वादी जगदीश प्रसाद बिन्द पुत्र जोखू बिन्द निवासी नचनिया बीर कंतित थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की बहन की दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई, । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-256/2025 धारा 85,80(2),115(2),352,351(3) बीएनएस व श डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी जिगना को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 26.08.2025 को उप निरीक्षक रामबचन यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 अभियुक्त 01. लालमनी बिन्द पुत्र स्व0 पखण्डू बिन्द व 2. प्रदीप कुमार पुत्र लालमनी बिन्द निवासीगण बघेडा कलां थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

महाप्रबन्धक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने 10 रेल कर्मचारियों को किया पुरस्कृत

श्री धीरज कुमार, बने माह जुलाई 2025 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी

भारत संवाद

दिनांक 26.08.2025 को महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, श्री जे.सी.एस. बोरा एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झाँसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से जुलाई 2025 माह के लिए चयनित कुल 10 रेल कर्मचारियों को महाप्रबन्धक के द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में 1. श्री पन्ने लाल, ट्रैक मेन्टेनर-ककक, कानपुर, प्रयागराज मण्डल 2. श्री भूपत प्रसाद, ट्रैकमैन-क, बांदा, झाँसी मण्डल 3. श्री स्वतंत्र, ट्रैकमैन-कश, ग्वालियर/झाँसी मण्डल 4. श्री उत्तम सिंह, टेक्नीशियन-कक, आगरा छावनी/आगरा मण्डल 5. श्री महेश कुमार, प्वाइण्टसमैन, आगरा छावनी/आगरा मण्डल 6. श्री सुरेश चन्द, स्टेशन मास्टर, आगरा छावनी/आगरा मण्डल 7. श्री वीरेन्द्र कुमार, ट्रेन मैनेजर, प्रयागराज छिवकी/प्रयागराज मण्डल 8. श्री जय नारायण कुमार, ट्रेन मैनेजर/टूण्डला/प्रयागराज मण्डल 9.

श्री ब्रज भूषण तिवारी, स्टेशन मास्टर/लिंक जं./ प्रयागराज मण्डल 10. श्री धीरज कुमार, वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर-गुड्स/वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी/झाँसी मण्डल शामिल हैं।श्री धीरज कुमार, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर/झाँसी/झाँसी मण्डल को जुलाई 2025 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी * के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।श्री धीरज कुमार ने दिनांक 15.07.2025 को गाड़ी संख्या BVH Goods में कार्य के दौरान ग्वालियर होम सिग्नल के पास बाहर की ओर झांक कर देखने पर पाया कि एक वैगन से कार्टून बाहर की तरफ निकला हुआ था।इन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए वॉकी-टॉकी के माध्यम से उपरोक्त घटना के विषय में लोको पायलट एवं डिप्टी एस.एस. ग्वालियर को सूचित किया एवं गाड़ी को थ्रू सिग्नल पर खड़ा कराया गया।

हरतालिका तीज

गुरु रामदास जी महाराज के ज्योति ज्योत दिवस पर उनकी निष्ठा व राष्ट्रभक्ति को नमन

पावन पर्व हरतालिका तीज की परमार्थ निकेतन से शुभकामनायें

नारी शक्ति, समाज और संस्कृति की आधारशिला : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन से पावन पर्व हरतालिका तीज एवं सिख पंथ के चतुर्थ गुरु, गुरु साहिब श्री गुरु रामदास जी महाराज का ज्योति ज्योत दिवस पर अनेकानेक शुभकामनायें। हरतालिका तीज के अवसर पर गंगा तट पर विशेष प्रार्थना, संकीर्तन एवं आरती का आयोजन किया गया। हरतालिका तीज केवल एक पर्व या परंपरा नहीं है, बल्कि यह नारी शक्ति की त्यागमयी शक्ति, अटूट संकल्प और समर्पण का अद्वितीय प्रतीक है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा

कि नारी शक्ति समाज और संस्कृति की आधारशिला है। नारी का स्वरूप केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरे समाज और संस्कृति की दिशा निर्धारित करता है। सनातन परंपरा में गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषी नारियों ने ज्ञान, तपस्या और आध्यात्मिक शक्ति से यह सिद्ध किया कि नारी केवल गृहिणी नहीं, बल्कि संस्कृति की वाहक और ज्ञान की धारा है। आज आवश्यकता है कि हम इन आदर्शों को स्मरण करते हुए आधुनिक समाज में नारी को समान अवसर दें। शिक्षा, सम्मान और नेतृत्व के क्षेत्र में नारी का सशक्तिकरण ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र और मानवता का सशक्तिकरण है।नारी का त्याग, तप और करुणा ही परिवार और राष्ट्र की स्थिरता का आधार है। हरतालिका तीज हमें यह प्रेरणा देती है कि हम प्रकृति में आस्था रखें, अपने जीवन में संयम और साधना का समावेश करें तथा पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक सौहार्द को प्राथमिकता दें ।यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हमारी परंपराएँ व अनुष्ठान, जीवन मूल्य और संस्कार हैं। जब नारी सशक्त और संतुलित होती है तो पूरा समाज समृद्ध और उन्नत होता है ।परमार्थ निकेतन परिवार ने सिख परंपरा के चतुर्थ गुरु, श्री गुरु रामदास जी महाराज के ज्योति ज्योत दिवस पर गंगा जी की आरती के माध्यम से विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरु साहिब की वाणी और सेवाभाव को याद करते हुए स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने संदेश में कहा कि गुरु रामदास जी का जीवन त्याग, सेवा और करुणा का प्रतीक है। उन्होंने न केवल अध्यात्म का प्रकाश फैलाया, बल्कि समाज को सच्चाई, समानता और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। स्वामी जी ने कहा, गुरु रामदास जी का दर्शन है कि सच्ची भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होनी चाहिये बल्कि सेवा और समर्पण में ही उसका वास्तविक स्वरूप प्रकट होना चाहिये है। उनकी अमर वाणी आज भी मानव समाज को एकजुट होकर सत्य, न्याय और शांति की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान करती है ।स्वामी जी ने कहा कि हम सभी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहें। जब हम त्याग, सेवा और साधना के मार्ग पर चलते हैं तो जीवन में प्रेम, शांति और सद्भावना का विस्तार होता है। यही पर्वों और महापुरुषों के जीवन का वास्तविक संदेश है।

यात्रियों की सुविधा के लिए गणेशोत्सव पर रिकॉर्ड

380 से अधिक फेरे लगाएंगी गणपति स्पेशल ट्रेनें

- वर्ष 2023 में रेलवे ने 305 गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों का संचालन किया था, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़ाकर 358 कर दी गई थी।
- रेलवे द्वारा गणपति स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत 11 अगस्त से कर दी गई है। विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट, रेलवन ऐप और कंप्यूटरीकृत पीआरएस पर उपलब्ध है।

भारत संवाद

नई दिल्लीः गणेश उत्सव को देखते हुए भारतीय रेलवे ने श्रद्धालु यात्रियों के लिए खास इंतजाम किए हैं।रेलवे ने इस वर्ष श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए गणपति स्पेशल ट्रेनों के 380 से अधिक फेरों (ट्रिप्स) के संचालन का फैसला लिया है। गणपति उत्सव के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के फेरों का यह नया कीर्तिमान है। इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में भी रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ना सिर्फ विशेष ट्रेनों का संचालन किया था, बल्कि उनके फेरों की संख्या भी बढ़ाई थी। वर्ष 2023 में रेलवे ने 305 गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों का संचालन किया था, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़ाकर 358 कर दी गई थी। यात्रियों की सुविधा के लिए जोनवार संचालित जिन स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए हैं उसके अनुसार महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में यात्री मांग को देखते हुए मध्य रेलवे में स्पेशल ट्रेनों के 296 फेरे लगेंगे। वहीं, पश्चिम रेलवे में 56 फेरे, कोंकण रेलवे में 06 फेरे और दक्षिण पश्चिम रेलवे में 22 फेरे शामिल हैं। कोंकण रेलवे पर चलने वाली गणपति स्पेशल ट्रेनों के पड़ाव कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वार्मने, करंजडी, विन्हेरे, दीवानखावटी, कलांबनी बुद्रुक, खेड़, अंजनी, चिपलुन, कामथे, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, जराप, सावंतवाड़ी रोड, मदुरे, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकामा रोड, कुमता, मुर्देश्वर, मूकाम्बिका रोड, कुंडापुरा, उडुपी, मुल्की और सुरथकल दिए गए हैं।

वहीं, पश्चिम रेलवे मार्गों पर रास्ते में ट्रेनें बोरीवली, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकर्ण रोड, कुमता, मुर्देश्वर, मूकाम्बिका रोड बिंदूर, कुंडापुरा पर रुकेंगी। मध्य रेलवे में गणपति स्पेशल ट्रेनों का ठहराव दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, कामथे, सावर्दा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल और जराप स्टेशन पर दिया गया है।

जल जीवन योजना को लेकर जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

भारत संवाद

सहारनपुर। जल जीवन मिशन योजना का कार्य करने वाले संस्थाओं की कार्य शैली के विरोध में आज नवयुग नवदृष्टि ग्राम प्रधान संगठन से जुड़े प्रधानों ने अध्यक्ष संजय संजय वालिया के नेतृत्व में आज जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर सांकेतिक धरना दिया और जिलाधिकारी को इस संबंध में ज्ञापन भी दिया।

आज संगठन के बैनर तले संगठन अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में विभिन्न गांव के प्रधान जिला मुख्यालय पहुंचे और जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत कार्य करने वाली कंपनियों के खिलाफ प्रदर्शन किया उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वकांक्षी योजना हर घर नल हर घर जल के अंतर्गत जल जीवन मिशन का कार्य किया जा रहा है जिसमें केंद्र सरकार द्वारा कुछ कंपनियों को नामित किया गया है और वही कंपनियां इस कार्य को कर रही है ग्राम प्रधान केवल इस कंपनी का है कार्य में सहयोग कर रहे हैं जबकि उनका इस योजना से कोई लेना-देना नहीं है।

ग्राम प्रधानों ने जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में कहां की जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत कार्य करने वाली संस्थाओं की जांच कराई जाए और कार्य में लापरवाही बरतने वाले कंपनी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई कर एक क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक कराया जाए और ग्राम प्रधानों की सहमति पर ही टंकियां पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त किया जाए अन्यथा ग्राम प्रधान संगठन कार्य करने वाले कंपनियों के खिलाफ एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई न की गई तो अनिश्चित आंदोलन करने को मजबूर होगा।

पंजाबी वेलफेयर संगठन ने अपना तृतीय वार्षिक समारोह

मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा: नीरज अरोड़ा

भारत संवाद

सहारनपुर। पंजाबी वेलफेयर संगठन ने मनाया तृतीय वार्षिक समारोह आज जनमंच के निकट प्रभु जी की रसोई में मनाया।इस अवसर पर संगठन पदाधिकारियों ने अपने हाथों से प्रभु जी की रसोई में जरूरतमंद व भूखों को भोजन भी वितरित किया। संगठन ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पहुंचकर बालिकाओं को उपहार आदि भी वितरित किए।

संगठन के अध्यक्ष नीरज अरोड़ा ने बताया कि पंजाबी वेलफेयर संगठन आज अपना तृतीय वार्षिक समारोह मना रहा है। संगठन पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि वह जरूरतमंदों, निसहाय, भूखों को भोजन वितरित करन अपना तृतीय वार्षिक समारोह मनायेंगे। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है।इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ व्यापारी नेता एवं पंजाबी समाज के अग्रज, समाजसेवी शीतल टण्डन का शॉल ओढाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पंजाबी वेलफेयर संगठन ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में जाकर छोटी कन्याओं को फल और चॉकलेट बिस्किट अन्य गिफ्ट दिए और बालिकाओं के साथ संगठन के सदस्यों ने बड़ी धूमधाम और खुशी से मनाया। नीरज अरोड़ा ने कहा आज उनके संगठन का तृतीय स्थापना दिवस है। इस अवसर पर संगठन हर साल मानव सेवा कर अपना वार्षिक स्थापना दिवस मनाते हैं, इसी तरह आज भी हम सभी बालिकाओं के बीच में बड़ी खुशी से अपना स्थापना दिवस मनाया है।

महामंत्री संजय खन्ना ने कहा छोटी कन्याओं देवी रूप है और बच्चों के साथ खुशी मिलती है सभी बालिकाओं के साथ आज अपना तृतीय वार्षिक स्थापना दिवस समारोह मनाया बहुत खुशी हुई, संगठन की और से सभी सदस्यों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए फल बिस्किट चिप्स चोकलेट आदि समान वितरण किया और ईश्वर से प्रार्थना की आगे भी इसी तरह संगठन मजबूती से कार्य करता रहे, संगठन की और पंजाबी समाज के वरिष्ठएवं हमेशा से धर्म कर्म करने वाले समाज सेवी प्रभू जी की रसोई सस्था के संयोजक शीतल टंडन का भी शाल और अंग वस्त्र धारण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। पंजाबी वैलफेयर संगठन सहारनपुर के कुनाल गुलाटी यश अरोड़ा प्रदीप भटेजा सदस्य राहुल नारंग, ललित आहुजा, संदीप बजाज, मनीष अरोड़ा, जितेन्द्र चावला, साहिल नागपाल, बबलू बुद्धि राजा, रिषी चावला, प्रथम अरोड़ा, क्रिश अरोड़ा, आदि साथी मोजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

गणेश चतुर्थी के दिन न करें चंद्रमा के दर्शन

मध्यकाल में करें गणेश स्थापना

भारत संवाद

अलीगढ़ उत्तर प्रदेश - इस बार यह पर्व मंगलकारी वैधृति योग में मनाया जाएगा, जिसमें मिट्टी से बने मंगलमूर्ति को गणेश चतुर्थी को घर घर विराजित किया जाएगा। ज्योतिषाचार्य हिमांशु पाराशर ने बताया की इस दिन दो नक्षत्र के साथ शुभ योग भी रहेगा। हालांकि इस दिन शुभ कार्यों के लिए अशुभ मानी जाने वाली भद्रा भी रहेगी, लेकिन इसका असर विघ्नहर्ता को विराजित करने में नहीं पड़ेगा। 10 दिनी महोत्सव के दौरान विभिन्न तीज-त्योहार मनाए जाएंगे महाराष्ट्रीयन समाज में जहां तीन दिन के लिए ज्येष्ठा गौरा का आगमन होगा, वहीं दिगंबर जैन समाज के 10 दिनी पर्युषण पर्व भी शुरू होंगे। भाद्रपद माह के शुक्लपक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरूआत 26 अगस्त को दोपहर 1.15 बजे होगी, जो 27 अगस्त को शाम 04.44 बजे तक रहेगी। गणेश मूर्ति स्थापना के दिन शुभ नक्षत्र दोपहर 08.33 बजे से शुरू होगा भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना के लिए श्रेष्ठ समय चतुर्थी के दिन मध्यकाल हैं

क्षेत्र पंचायत इगलास की बैठक 29 अगस्त को

अलीगढ़ ,(सू0वि0): क्षेत्र पंचायत इगलास की बैठक 29 अगस्त को प्रातः 11 बजे से मा0 प्रमुख क्षेत्र पंचायत इगलास की अध्यक्षता में विकास खण्ड इगलास परिसर में आहुत की जाएगी। खण्ड विकास अधिकारी इगलास चैतन्य कुमार पाठक ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, ग्रामीण पेयजल, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, पंचायत घर निर्माण, कृषि, लघु सिंचाई, नहर विभाग, राजकीय नलकूप, बाल विकास, एनआरएलएम, समाज कल्याण, खाद्य एवं रसद, शिक्षा, सहकारिता, पशुधन, युवा कल्याण, भूमि संरक्षण पेयजल, मत्स्य, दुग्ध समेत अन्य विभागों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया जायेगा। उन्होंने समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्य इगलास एवं ग्राम प्रधानों को सूचित करते हुये अनुरोध किया है कि वह नियत समय व स्थान पर बैठक में प्रतिभाग करें।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की बैठक सम्पन्न

सहारनपुर। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया(भारतीय बौद्ध महासभा) सहारनपुर इकाई की आवश्यकत बैठक आयोजन संत शिरोमणि गुरू रविदास छात्रावास देहरादून रोड में किया गया। बैठक में बाबा साहेब डा.भीमराव अम्बेडकर व महामानव गौतमबुद्ध के आदर्शों पर विचार किया गया। बैठक में नई कार्यकारिणी की गठित करने की जानकारी दी गयी। बैठक में मुख्य रूप से रामपाल बौद्ध, राजबल सिंह मदनूकी, उर्मिला बौद्ध, मिमन चंद, रेखा रानी आदि मौजूद रहे।

सम्राट मिहिर भोज की जयंती धूमधाम से मनाई

सहारनपुर। अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा द्वारा दिल्ली रोड स्थित गुर्जर भवन पर 16 अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस और गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान गुर्जर समाज की विभिन्न क्षेत्र में प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। जानकारी देते हुए महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल गुर्जर ने बताया की गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज गुर्जर प्रतिहार वंश के सबसे प्रतापी राजा थे जिन्होंने 49 वर्षों तक शासन किया वैसे तो गुर्जर प्रतिहरों का शासन काल 300 वर्षों तक रहा जब तक गुर्जर प्रतिहरों का शासन रहा तब तक कोई भी विदेशी आक्रांता भारत में घुस नहीं पाया। उसे समय पर उनकी 36 लाख की सेना थी। गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज ने देश में अनेक मंदिर ऑन का निर्माण कराया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्ण सिंह प्रमुख और संचालन शनिदेव चैधरी ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीरज चैधरी राष्ट्रीय महामंत्री शनिदेव चैधरी प्रदेश अध्यक्ष राहुल गुर्जर मंडल अध्यक्ष नवीन चैधरी ,जिला अध्यक्ष नीरज गुर्जर खतौली महानगर अध्यक्ष अजय खटाना, परीक्षित वर्मा,जिला उपाध्यक्ष संजय खटाना, उज्जवल स विक्की राठी,सौरभ पंचकुआ,प्रशांत चैधरी काजीपुरा,बिट्टू घसौती,हरीश चेयरमैन सहित आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली में खाद आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की

पिछले साल से ज्यादा खाद इस साल किसानों तक पहुंचाई जा चुकी है

- खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध है
- किसानों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सरकार पर विश्वास रखने की अपील की
- खाद आपूर्ति के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश

भारत संवाद

रायबरेली/ लखनऊ , प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने जिला पंचायत सभागार, रायबरेली में खाद आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में कृषि, सहकारिता, पी०सी०एफ सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लियाउद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि विगत वर्ष किसानों को 40 हजार मीट्रिक टन खाद उपलब्ध करायी गयी थी, जबकि इस वर्ष 26 अगस्त 2025 तक ही 49,791 मीट्रिक टन खाद किसानों तक पहुँचाई जा चुकी है। पूरी खरीफ सीजन में लगभग 66 हजार मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता अनुमानित है। इसके सापेक्ष अभी जनपद के भण्डार में 06 हजार मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है तथा 11 हजार मीट्रिक टन खाद की रैक रास्ते में है। इस प्रकार रायबरेली के किसानों के लिए खरीफ सीजन की आवश्यकता पूरी करने हेतु पर्याप्त खाद की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गयी है। मंत्री सिंह ने कहा कि किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। जनपद में खाद की कमी नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सरकार की व्यवस्था पर विश्वास रखें। परिवहन से जुड़ी कुछ असुविधाओं को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया गया है, जिन्हें कल से व्यवस्थित कर दिया जायेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जाये, जहाँ खाद आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के प्रतिनिधि प्रतिदिन समय पर उपस्थित रहेंगे। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से किसानों को तत्काल सहायता और शिकायतों का त्वरित समाधान उपलब्ध कराया जायेगा।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर सभी विभागों के समय सीमा के अन्दर एवं बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के समयावधि समाप्त होने के बाद भी लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा तत्काल निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं ओ0डी0ओ0पी0 योजना के अंतर्गत बैंकों को प्रेषित आवेदन पत्रों पर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा बैंक स्तर से लंबित आवेदन पत्रों पर स्वीकृति एवं वितरण हेतु अग्रणी जिला प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा को निर्देशित किया गया। जनपद में 23 विभागों द्वारा हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 की प्रगति के सम्बन्ध में उद्यमी मित्र पीयूष दीक्षित द्वारा बताया गया कि विभिन्न विभागों की 62 इकाईयों द्वारा उत्पादन कार्य प्रारम्भ है एवं 58 अन्य इकाईयॉ निमार्णाधीन है। निजी औद्योगिक पार्कों के विकास हेतु सम्बन्ध में समस्त उद्यमियों/औद्योगिक संगठनों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा इच्छुक उद्यमियों से जिनके पास निजी भूमि उपलब्ध हो अथवा कई उद्यमी संगठित होकर प्रस्ताव/आवेदन भूमि के स्वामित्व के कागज एवं आगणन सहित जिला उद्योग केन्द्र में उपलब्ध करने की अपेक्षा की गयी है। उन्होंने समिति को अवगत कराया कि 05 एकड़ भूमि में प्लेज पार्क स्थापित करने सम्बन्धी उद्यमियों से प्राप्त प्रार्थना पत्र पर विचार करने हेतु शासन को पत्र प्रेषित करा दिया गया है। इसके अतिरिक्त विद्युत एवं बैंकों से लंबित समस्याओं के निस्तारण हेतु चर्चा की गयी। उपायुक्त उद्योग द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत जनपद के विभिन्न बैंकों से 704 आवेदन पत्रों पर स्वीकृत एवं 640 आवेदन पत्रों का ऋण बैंक स्तर से वितरित किया गया है। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड सुलतानपुर, अग्रणी जिला प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा, उपायुक्त श्रमायुक्त, उ0प्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि सहित जनपद के उद्यमी एवं औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सदर बाजार पुलिस ने किया छिनैती की घटना का सफल अनावरण

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना सदर बाजार पुलिस द्वारा छिनैती की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त गिरफ्तार कर कब्जे से 50000 रुपए नकद, एक चश्मे का कवर, एकपंजाब नेशनल बैंक की पासबुक व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है ।गत 25 अगस्त को वादी विनोद कुमार पुत्र भान्तीप्रसाद जैन निवासी 196 भगवती कालौनी बेहट रोड जनपद सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा वादी का बैग झपट्टामारकर छीनने के सम्बन्ध में थाना सदर बाजार पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। एसएसपी द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लेकर अभियुक्तो की गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु आदेश-निर्देश दिये गये थे ।

कृष्ण छठी उत्सव धूमधाम से मनाया

सहारनपुर। अग्रवाल महिला मिलन की अगस्त माह की सभा कृष्ण छठी उत्सव के रूप में हरी मंदिर आवास विकास के प्रांगण में बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संकीर्तन का प्रारम्भ गणेश वन्दना व कृष्ण स्तुति से किया गया। मुख्य अतिथि जिला महिला अध्यक्षा का स्वागत अध्यक्षा सुषमा गोयल व संरक्षिका अमिता गुप्ता के द्वारा माला व पटका पहनाकर किया गया। तत्पश्चात रुकमणी बंसल, मीनू गर्ग, संगीता अग्रवाल, नीलम मित्तल, पूनम गोयल व रेनू राय ने कृष्ण के सुन्दर-सुन्दर भजनों के द्वारो सभा को भक्तिमय बना दिया। अमिता गुप्ता, जया गुप्ता, अध्यक्षा सुषमा गोयल, अंजना अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अलका बिन्दल व मैना बिन्दल ने सभी को अपने साथ नृत्य करने के लिए विवश कर दिया।

जनसुनवाई में पहुंची सात समस्याएं

अपर नगरायुक्त ने दिए समाधान के निर्देश

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम में जनसुनवाई के अंतर्गत आज सात समस्याएं पहुंची, जिनमें चार सफाई सम्बंधी, एक स्ट्रीट लाईट ठीक कराने तथा दो समस्याएं प्रोपर्टी में नाम परिवर्तन सम्बंधी रही। अपर नगरायुक्त प्रदीप कुमार यादव ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सहायक नगरायुक्त जेपी यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वार्ड 62 टोपिया सराय निवासी नदीम ने भवन का नामांतरण कराने तथा वार्ड 58 पंसारी बाजार के नवीन भट्ट ने भी सम्बंधित भवन पर पूर्व भवन स्वामी का नाम दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिए।जिस पर उन्हें बताया गया कि वे उक्त भवनों में आवश्यक कागज कार्यालय में जमा करा दें, जांचोपरांत नाम परिवर्तन कर दिया जायेगा। वार्ड 11 मवींकला निवासी अंकित ने मवींकला ताहरपुर में स्ट्रीट लाइट ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया, जिस पर अवर अभियंता पथ प्रकाश को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त वार्ड 48 मंदाकिनी विहार निवासी सुधीर जैन ने कॉलोनी की नालियों की साफ सफाई कराने तथा वार्ड 69 लोहानी सराय निवासी रविंद्र सिंह ने अपनी दुकान के पीछे नाली की सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। वार्ड 67 चांद कॉलोनी- 62 फुटा रोड निवासी कामरान ने 62 फुटा रोड पर खाली पडे.प्लाट की साफ सफाई कराने और वार्ड 41 चंद्र विहार निवासी अजय सिंह ने कॉलोनी के पास खड़ी घास व झाड़ियों की साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

प्लेटफार्म वर्कर्स या गिगवर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर होगा पंजीकरण

जिले में 05 सितम्बर तक विशेष अभियान के तहत लगाए जाएंगे पंजीकरण शिविर

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): सहायक श्रम आयुक्त सुरेन्द्र राकेश ने प्लेटफार्म वर्कर्स या गिग वर्कर्स को ई-श्रम पोर्टल पर कराए जाने वाले पंजीकरण के लिए श्रम विभाग द्वारा लगाए जाने वाले कैम्पों के बारे में अवगत कराया गया है। उन्होंने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा प्रदान किये जाने के उद्देश्य से ई-श्रम पोर्टल पर गिग वर्कर्स और एग्रीगेटर्स का पंजीयन कराये जाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड लखनऊ द्वारा किसी ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से कार्यशील श्रमिक, जिसे अनुबन्धमें की गयी शर्तों के अधीन पारिश्रमिक प्राप्त होता है, किन्तु उन वर्कर्स और उनके नियोक्ता में कर्मचारी सेवायोजक का कोई पारम्परिक सम्बन्ध नहीं होता है, ये वर्कर मात्र डिजिटल माध्यम से जुड़े होते हैं।ऐसे श्रमिकों को प्लेटफार्म वर्कर्स या गिगवर्कर्स कहते हैं और ऑनलाइन ऐप के माध्यम से जुड़े नियोक्ताओं को एग्रीगेटर्स कहते हैं। उन्होंने बताया कि श्रम विभाग द्वारा प्लेटफार्म श्रमिक या गिगवर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण किये जाने के लिए 05 सितम्बर तक विशेष पंजीकरण शिविर लगाये जा रहे हैं। उन्होंने सेवा के आधार पर एग्रीगेटर्स की श्रेणी और एग्रीगेटर्स के नाम की जानकारी देते हुए बताया कि राइड शेरिंग सर्विस क्षेत्र में ओला, उबर, क्विकराइड, मारू, कुबो, टैक्सीफोर्सर, फूड एण्ड लॉजिस्टिकडिलिवरी क्षेत्र में जोमेटो, स्वीगी, ब्लिंकिट, फूडपॉण्डा, बिगबॉस्केट, जैपटो, ग्रोफर्स, लॉजिस्टिक सर्विस क्षेत्र में एक्सप्रेसबीस, एक्सप्रेसलाजिस्टिक, ब्लूडार्ट, फिडेक्स, ट्रेक्कॉन, शिपरॉकेट, पॉटर, ई-माकेटप्लेस क्षेत्र में अमेजान, फिल्पकार्ट, स्नैपडेलई-बे, शॉपक्लू, होम शॉप-18, मिंत्रा, मीसो, प्रोफेशनल क्षेत्र में अरबन कम्पनी, जेरोधा, एरजेल ब्रोकिंग, प्रेक्टोलाइक, बाइजूस बेटर हेल्थ, टॉक्सपेस, वेडान्टू, टॉपरस, लीगलरा, हेल्थकेयर क्षेत्र में प्रेस्टो, नाइका, टाटा 1 एम०जी०, नेटमेडस, मेडलाइफ फिटविट, ट्रेवर्ल्स एण्ड हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र मेरेड बस, मेकमाईट्रिप, गोइबो, यात्रा, अगोडा, कन्टेन्ट मीडिया सर्विस क्षेत्र में यू-ट्यूब, फेसबुक, नेटफ्लिक्स, स्पोटीफाई, गूगल, अडबर्ड, गेन से जुड़े कार्मिक अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

कविता

मैं प्रथम पुष्प हूँ,
मेरी यह अभिलाषा है—

स्वागत हो मेरा,
विकसित प्रथम वितान देख;
मुसकाऊँ मैं,
सब मुसकाएँ मुसकान देख।

मैं झूमूँ प्रमुदित
मन्द हवा में करूँ नृत्य;
कर लें परिपालक
मोबाइल में कैद कृत्य।

इससे पहले कि
कर लूँ अपने नेत्र बन्द;
मुझपर कोई कवि
रच दे आकर अमर छन्द।

कवि समझे मन
बस, इतनी उससे आशा है;
यद्यपि नीरव है,
लेकिन मेरी भाषा है।

मैं प्रथम पुष्प हूँ,
मेरी यह अभिलाषा है।

घनश्याम अवस्थी
गोंडा, उत्तरप्रदेश

मण्डलायुक्त ने विकास कार्यों की समीक्षा में दिए कड़े निर्देश, लापरवाही पर होगी सख्ती

गौ आश्रय, शिक्षा, स्वास्थ्य और पंचायत योजनाओं की गहन समीक्षा, प्राथमिकता से होंगे पूरे कार्य

प्रदेश रैंकिंग में मण्डल 5वें स्थान पर, कमिश्नर ने कहा: योजनाओं का लाभ पात्रों तक समय से पहुंचे

भारत संवाद

अलीगढ़ 2025 (सू0वि0): मण्डलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में आयोजित मण्डलीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति का आकलन किया गया। बैठक में गौ आश्रय स्थल, उर्वरक वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, आवास, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, सौर ऊर्जा एवं निर्माण परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई। आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में नोडल अधिकारियों को संवेदनशीलता अपनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि विकास कार्यों की रैंकिंग में मण्डल प्रदेश में 5वें स्थान पर रहा है। जिलों में हाथरस 13वें, एटा 22वें, जबकि अलीगढ़ व कासगंज 32वें पायदान पर रहे। मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय से पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को चेताया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।अपर निदेशक पशुपालन डॉ0 प्रमोद कुमार ने अवगत कराया कि मण्डल के 228 गौ आश्रय स्थलों में 56,314 गौवंश संरक्षित हैं। अलीगढ़ और कासगंज में 2-2 वृहद गौ संरक्षण केंद्र शीघ्र ही पूर्ण हो जाएंगे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि अस्थाई गौवंश शिफ्ट करने से पूर्व कार्ययोजना तैयार कर ली जाए। संयुक्त निदेशक कृषि ने उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की जानकारी दी, जिस पर कमिश्नर ने नियम विरुद्ध वितरण पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राथमिक शिक्षा की समीक्षा में उन्होंने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं नामांकन वृद्धि पर बल दिया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में सीएसआर के माध्यम से सोलर हीटर लगाए जाने के निर्देश दिए। नेडा के प्रभारी ने अवगत कराया कि सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने की प्रक्रिया गतिमान है। कमिश्नर ने विद्यालयों के ऊपर से गुजर रहे विद्युत तारों को प्राथमिकता से हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की जिंदगी को खतरे से सुरक्षित किया जाए। एडी बेसिक ने बताया कि मण्डल के 782 विद्यालयों का युग्मिकरण किया गया है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

हरतालिका तीज पर कैसे बनाएं मिट्टी के शिव-पार्वती

हरतालिका तीज का व्रत महिलाओं के लिए बेहद अहम होता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके अपने पति की सुरक्षा और उनकी लंबी आयु की कामना करने के लिए भगवान शिव संग माता पार्वती की पूजा करती हैं। पूजा के लिए महिलाएं इस दिन मिट्टी के शिव-पार्वती की मूर्ति भी बनाती हैं। साथ ही, हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति को सुंदर मंडप में स्थापित करके उनकी पूजा करती हैं।

आवश्यक सामग्री

- **मिट्टी**-आप बाजार से विशेष रूप से मूर्ति बनाने वाली मिट्टी या घर में उपलब्ध मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।
- **पानी**- मिट्टी को गूंथने के लिए साफ पानी।
- **चौकी**- मूर्ति बनाने के लिए एक साफ और समतल सतह जरूरी है।
- **चाकू या नुकिली चीज**- मूर्ति को आकार देने के लिए।
- **सजावटी सामान**- मूर्ति को सजाने के लिए आप फूल, पत्ते, या अन्य सजावटी सामान का उपयोग कर सकते हैं।

मिट्टी के शिव-पार्वती बनाने की विधि

- शिव-पार्वती की मूर्ति बनाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी तैयार करें। इसके लिए मिट्टी को पानी के साथ अच्छी तरह गूंथ लें, ताकि वह नरम और मॉडलिंग के लिए उपयुक्त हो जाए।
- इसके बाद, मिट्टी का एक बड़ा गोला बनाएं।
- गोले को लंबा और चौड़ा करके शिव-पार्वती का धड़ बनाएं।
- इसके बाद, मिट्टी के छोटे-छोटे दो गोले लेकर उनके सिर, हाथ और पैर बनाएं।
- अब, चेहरे पर आंख, नाक, होंठ आदि का आकार बनाएं।
- अब मिट्टी के थोड़े से हिस्से को लेकर उसे लंबाई में सांप की तरह बना दें और इस शिव के गले में घुमा कर लगा दें।
- इसके अलावा, आप चाहें तो बगल में त्रिशूल और हाथों में एक डमरू भी लगा सकते हैं।
- अंत में, मूर्ति को हवादार जगह में सूखने के लिए रख दें।
- आप चाहें तो सूखी हुई मूर्ति को प्राकृतिक रंगों से रंग भी सकते हैं। शिव को नीला या हरा रंग और पार्वती को लाल या गुलाबी रंग दे सकते हैं।
- बस आपकी मिट्टी के शिव-पार्वती तैयार हैं, अब आप हरतालिका तीज पर उनकी विधि अनुसार पूजा कर सकते हैं।

कम बजट की लाइटवेट जॉर्जेट साड़ी के ये डिजाइंस हरतालिका तीज पर आपको देंगे परफेक्ट फेस्टिव लुक

हरतालिका तीज के लिए कम बजट में हल्की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइन से पाएं परफेक्ट फेस्टिव लुक। जानें शेवरॉन, लेहरिया, चुनरी, पोल्का डॉट्स और मल्टी कलर प्रिंट्स की साड़ियों के साथ ब्लाउज़, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग के बेहतरीन सुझाव।

उमस के मौसम में हल्के-फुल्के कपड़े ही मन को भाते हैं। खासतौर पर तीज त्योहार के अवसर पर भी ऐसे ही कपड़े तलाशते हैं, जो हल्के हों और आरामदायक हों। हरतालिका तीज के मौके पर भी अगर आप हल्की और फेस्टिव लुक वाली साड़ी पहनने के बारे में सोच रही हैं, तो आप खूबसूरत और कम बजट वाली हल्की जॉर्जेट साड़ी पहन सकती हैं। आपको बता दें कि जॉर्जेट साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, इनमें आपको एक से बढ़कर एक वेराइटी देखने को मिल जाएंगी। अगर आप भी त्योहार पर शानदार साड़ी लुक पाना चाहती हैं, तो एक बार इस लेख में दिखाए गए जॉर्जेट साड़ी के पैटर्न और डिजाइंस देखकर अपने लिए एक नई और अच्छी जॉर्जेट साड़ी खरीद सकती हैं और उसे स्टाइल करने के टिप्स भी जा सकती हैं। इस लेख में हम विभिन्न प्रिंट्स की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइंस और उनके साथ सही ब्लाउज, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग स्टाइल के सुझावों पर चर्चा करेंगे।

शेवरॉन प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

शेवरॉन साड़ी में हॉरीजॉन्टल और वर्टिकल लाइंस पड़ी होती हैं, ऐसी साड़ी में अधिकतर काली सफेद धारियां होती हैं। अगर आप हरतालिका तीज पर सबसे अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको एक बार ऊपर दिखाई गई तस्वीर पर गौरफरमाना चाहिए। इस तरह की साड़ी के साथ आप सादा या मैटैलिक ब्लाउज पहन सकती हैं। एक प्लेन या हल्के वर्क वाले ब्लाउज को इस साड़ी के साथ पहन कर आप सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।

फैशन टिप्स- इस साड़ी के साथ आपको मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी पहननी चाहिए। सिल्वर या गोल्ड प्लेटेड चूड़ियां, एक सादी चेन, और छोटे झुमके इस साड़ी के साथ बहुत अच्छे लगेंगे। हल्का मेकअप इस प्रिंट के साथ सबसे अच्छा लगता है। आप न्यूड लिपस्टिक के साथ लाइट आईशैडो लगाकर अपने लुक को एलिवेट कर सकती हैं। शेवरॉन प्रिंट साड़ी को क्लासिक ड्रेप में पहना जा सकता है। इससे यह प्रिंट ज्यादा अच्छा लगता है।

लेहरिया प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

राजस्थान की फेमस लेहरिया साड़ी में भी आपको बाजार में बहुत सारी वेराइटी और प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। ये साड़ियां 250 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आपको अलग-अलग पैटर्न और प्रिंट में मिल जाएंगी। आप इन्हें भी फेस्टिवल में पहन सकती हैं और खूबसूरत लुक पा सकती हैं।

फैशन टिप्स- लेहरिया प्रिंट साड़ी के साथ एक फुल-स्लीव्स या थ्री-फोर्थ स्लीव्स वाला ब्लाउज अच्छा लगता है। अमूमन लेहरिया प्रिंट वाली साड़ी में गोल्डन बॉर्डर होता है, तो आप गोल्डन या कॉपर ब्रोकेड वाला ब्लाउज इसके साथ पहन सकती हैं। इस प्रिंट के साथ गोल्डन ज्वेलरी आपको पहननी चाहिए। इससे आपको अच्छा एथनिक औश्र ट्रेडिशनल लुक मिलेगा। आप चाहें तो इसके साथ हैवी झुमका भी पहन सकती हैं। लेहरिया प्रिंट के साथ आप बोल्ड लिपस्टिक और लाइट स्मोकी आई मेकअप ट्राई कर सकती हैं। लेहरिया प्रिंट साड़ी को ड्रेप करते समय ध्यान दें कि लहरें एकसार दिखें।

चुनरी प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

चुनरी प्रिंट में भी आपको बहुत सारे पैटर्न और डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह का प्रिंट अपने आप में ही फेस्टिव लुक देता है। इसमें आपको हैवी और लाइट दोनों वेट की साड़ियां मिल जाएंगी। आप एक सिंपल सी 250 रुपये की साड़ी खरीद कर उसे अपने हिसाब से किसी अच्छे कारीगर से कढ़वा भी सकती हैं।

फैशन टिप्स- चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ सिंपल या फिर स्टाइलिश नेकललाइन वाला ब्लाउज बहुत अच्छा लगेगा। आप इस ब्लाउज पर साड़ती के एक टुकड़े से फिल भी लगवा सकती हैं इस प्रिंट के साथ आप रंग-बिरंगे स्टोन वाली ज्वेलरी का चयन कर सकती हैं। इससे आपके लुक को खूबसूरत अंदाज मिलेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ रेड लिपस्टिक और हल्का मेकअप ट्राई करें। स्किन टोन के अनुसार सॉफ्ट और नैचुरल मेकअप आप पर अच्छा लगेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी को फ्लोई स्टाइल में ड्रेप करें। प्लीट्स को सही से सेट करें ताकि प्रिंट अच्छा दिखे।

पोल्का डॉट्स जॉर्जेट साड़ी

पोल्का डॉट्स बहुत ही क्लासिक प्रिंट होता है। साड़ी में यह और भी ज्यादा अच्छा और ट्रेडिशनल लगता है। अगर आप भी इस त्योहार पर ऐसा अच्छा एथनिक लुक पाना चाहती हैं, तो आपको भी इस तरह की साड़ी में बहुत सारी वेराइटी मिल जाएगी।

फैशन टिप्स- पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ एक प्लेन या हल्के डॉट्स वाला ब्लाउज आप पहन सकती हैं। पोल्का डॉट्स वाली साड़ी के साथ लाइट वेट ज्वेलरी आप पहन सकती है, एक स्टड पहन कर भी आप अपना लुक पूरा कर सकती हैं। पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ आप लाइट मेकअप और न्यूड लिप्स का चयन करें। पोल्का डॉट्स साड़ी को ड्रेप करते समय इसे एक क्लासिक या स्लीक ड्रेप दे और पल्लू में प्लेट्स बना लें।

हरतालिका तीज के मौके पर प्लेन सलवार-सूट को फैंसी बनाने के लिए दुपट्टे के इन डिजाइंस को करें ट्राई

स्टाइलिश दिखना हम सभी को पसंद होता है। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को पहनते हैं। आजकल की बात करें तो प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार-सूट को पहनना बेहद पसंद किया जाने लगा है। त्योहार की बात करें तो हरतालिका तीज आने वाली है। इस मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन दुपट्टों को स्टाइल करने के लिए आसान टिप्स-

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

लाइट वेट में फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा-पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। इस तरह से आप पुरानी साड़ी को भी रीसायकल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी-कलर दुपट्टा डिजाइन

मल्टी कलर में आजकल कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल सबसे ज्यादा स्टाइल किया जा रहा है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। वहीं अगर आप और ज्यादा दुपट्टे को फैंसी बनाना चाहती हैं तो लेस वर्क जैसे गोटा-पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टे देखने में बेहद चमकदार और फैंसी लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। बात अगर स्टाइलिंग की करें तो इसे आप किसी भी तरह के प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

केवल 5 मिनट में मेहंदी की ये सुंदर डिजाइंस हाथों पर लगाएं

त्योहार पर मेहंदी लगाने का वक्त नहीं मिल रहा है, मगर लगाने का मन भी हो रहा है तो आप भी लेख में दिखाए गए मेहंदी डिजाइंस को हाथों पर 5 मिनट में लगवा सकती हैं।

त्योहारों की झड़ी लगी हुई है। एक के बाद एक त्योहार आ रहे हैं। कजरी तीज का त्योहार अभी कुछ दिन पहले ही निकला है और अब हरतालिका तीज भी आने ही वाली है। यह महिलाओं का त्योहार है और इस पर्व पर वे सोलह श्रृंगार भी करती हैं। मेहंदी की बिना महिलाओं का श्रृंगार कहां पूरा होता है। ऐसे में अगर आप भी हरतालिका तीज पर हाथों पर कम समय में और आसानी से लगने वाली मेहंदी डिजाइन तलाश रही हैं, तो इस लेख में दिखाई गई मेहंदी डिजाइंस को देखें और जानें कि आप इन्हें कैसे हाथों पर कम समय में लगवा सकती हैं।

मिनिमल बेल मेहंदी डिजाइन

मिनिमल मेहंदी का क्रेज आजकल महिलाओं में बहुत देखा जा रहा है और इस तरह की मेहंदी को हाथों में लगाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। आप बेल मेहंदी को भी मिनिमल अंदाज दे सकती हैं।

सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन

आप हरतालिका तीज पर अपने हाथों को सुंदर दिखाने के लिए आप सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन को लगा सकती हैं। इसमें कलाई पर जाल का डिजाइन क्रिएट किया जाता है। फिर फूल, पत्तियों और कोन डिजाइन बनाकर डिजाइन को क्रिएट किया जाता है। अब इसमें अलग-अलग डिजाइन और शेड करते हैं। उंगलियों पर सिंपल पत्तियों का डिजाइन क्रिएट करें। इससे आपका हाथ अच्छे लगेंगे। इस तरह की बेल को बनाने में आपको सिर्फ 15 मिनट का समय लगेगा।

मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइंस

आपके हाथ छोटे हों या बड़े, पतले हों या मोटे हरतालिका तीज पर मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइन आपके हाथों पर बहुत ही अच्छी लगेगी। इसे बनाने में आपको ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा। आप हथेली के बीचों-बीच गोल आकार में रेखा खींच कर अंदर और बाहर छोटी-छोटी आकृतियां बनाकर अपने मेहंदी डिजाइन को पूरा कर सकती हैं। बेस्ट बात तो यह है कि इस मेहंदी डिजाइन के साथ उंगलियों और कलाई पर थोड़ी घनी मेहंदी लगा सकती हैं। वहीं आपके पास समय कम हो तो केवल हथेली के बीच मेहंदी लगाकर भी मेहंदी को कंप्लीट कर सकती हैं।

जल मेहंदी डिजाइंस

जाल मेहंदी लगाना आसान है। इसके लिए आपको तय करना होगा कि आप फूलों, लकीरों या डॉट्स किसका जाल बनाना चाहती हैं। इसके बाद पूरे हाथों में वैसी ही जाल डिजाइन बनाएं और बाद में उस जाल को छोटी-छोटी डिजाइंस से भरें। इस तरह की मेहंदी में आप हथेली और उंगलियों में एक जैसी डिजाइन बना सकती हैं। आपको ज्यादा भरे-भरे हाथ चाहिए तो आप हाथों के आगे और पीछे दोनों तरफ जाल बनवा सकती हैं। अगर आपके हाथ छोटे और मोटे हैं, तो इस तरह की मेहंदी डिजाइन आपके हाथों को पतला और लंबा दिखाएगी।

पवित्र प्रतीक वाली डिजाइंस

शुभ अवसर और त्योहार पर आप भी हाथों में पवित्र हिंदू प्रतीकों वाली मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह न केवल दिखने में अच्छी लगेगी बल्कि अवसर के हिसाब से आपके हाथों को अच्छे लुक भी देगी। आप ओम, स्वास्तिक या त्रिशुल भी बनवा सकती हैं। यह सभी चिन्ह 5 मिनट से भी कम समय में बन सकते हैं। आप दोनों हाथों में अलग-अलग चिन्ह वाली मेहंदी डिजाइन भी लगा सकती हैं। अगर आपको थोड़ी हैवी मेहंदी डिजाइन पसंद है, तो छोटी-छोटी आकृतियों से हाथों को फिल कर सकती हैं।

गोल टिक्की मेहंदी डिजाइंस

हरतालिका तीज पर अगर आपको मेहंदी लगवानी है, मगर आपके पास समय नहीं हैं, तो आप खुद से घर पर गोल टिक्की मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह बहुत ही आसान होती है और इसे आप खुद से लगा सकती हैं। आप हाथों के बीच में बड़ी सी गोल टिक्की बनाएं और उसे आस-पास डॉट से हाथों को सजाएं। ऐसा करने से मेहंदी डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है और यह बहुत जल्दी लगती है। आप अपने दोनों हाथों में एक जैसी डिजाइन बनाकर उंगलियों की टिप को मेहंदी से कवर कर सकती हैं।

कमल के फूल वाली मेहंदी डिजाइंस

कमल का फूल हिंदू धर्म में सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर आप हाथों में केवल कमल का फूल ही बना लें, तब भी आपकी मेहंदी डिजाइन बहुत खूबसूरत लगेगी। वहीं उंगलियों को आप जाल मेहंदी डिजाइन से कवर कर सकती हैं। हरतालिका तीज पर इस तरह की मेहंदी डिजाइन बहुत ही कम समय में लग जाती हैं और दिखने में भी बहुत सुंदर लगती हैं।

ट्रम्प ने चीन पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी दी

कहा- मेरे पास ऐसे कार्ड हैं, जिन्हें खोल दिया तो चीन बर्बाद हो जाएगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा,'अगर चीन ने अमेरिका को पर्याप्त मात्रा में मैग्नेट (चुम्बक) की सप्लाई नहीं की, तो उनके आयात पर भारी टैरिफ लगाया जा सकता है।' ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि वह चीन के साथ बेहतर रिश्ता चाहते हैं, लेकिन व्यापारिक तनाव अभी भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार विवाद में वॉशिंगटन की स्थिति से ज्यादा मजबूत है। ट्रम्प ने कहा, 'चीन के पास कुछ कार्ड हैं। हमारे पास भी कुछ कार्ड हैं, लेकिन मैं ये पत्ते नहीं खेलना चाहता। अगर मैंने ऐसा किया, तो चीन बर्बाद हो जाएगा। मैं ये पत्ते नहीं खेलूंगा।' ट्रम्प ने यह टिप्पणी साउथ कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बैठक के दौरान की। ट्रम्प ने आगे कहा कि उन्होंने हाल ही में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात की है और बीजिंग की यात्रा पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'किसी भी समय, शायद इसी

साल या उसके तुरंत बाद, मैं चीन जा सकता हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि शी जिनपिंग ने उन्हें न्यौता दिया है। इससे पहले ट्रम्प ने 12 अगस्त को 90 दिनों के लिए टाल दिया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया था कि उन्होंने यूएस-चीन टैरिफ डेडलाइन 9 नवंबर तक बढ़ाने के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किया है। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जिनेवा में ट्रेड डील हुई थी। अमेरिका और चीन के बीच लंबा टैरिफ वॉर चला। ट्रम्प ने चीन पर 245% तक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। चीन ने जवाब में 125% टैरिफ लगाने की बात कही। हालांकि, जिनेवा ट्रेड डील के बाद यह लागू नहीं हुआ। चीन ने अप्रैल में कई रेयर अर्थ मटेरियल और मैग्नेट्स पर नियंत्रण को और सख्त कर दिया था। अमेरिका के लगाए गए टैरिफ की जवाबी कार्रवाई के तौर पर चीन ने अमेरिका के लिए 7 अर्थ मटेरियल की ,सप्लाई पर रोक लगा दी थी।

चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए थे।

ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ा। रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग आईटी इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर सबसे ज्यादा घमासान मचा था। मई में अमेरिका ने चीन पर 145% तक टैरिफ लगाया। इसके बाद चीन ने अमेरिका पर 125% जवाबी टैरिफ लगाया।

बाद में इसमें कमी आई। अभी अमेरिका ने चीन पर 30% वहीं, चीन ने अमेरिका पर 10% टैरिफ लगा रखा है। अमेरिका, चीन से सिर्फ व्यापार संतुलन नहीं चाहता था। वह चाहता था कि चीन अपनी सरकारी कंपनियों को कम मदद दे। अमेरिका का मानना है कि चीन अपनी सरकारी कंपनियों को बहुत ज्यादा सब्सिडी देता है, जिससे दूसरे देशों की कंपनियां उनका मुकाबला नहीं कर पातीं।

अमेरिका की बढ़ेगी टेंशन, भारत, रूस और चीन हो रहे एक साथ

मोदी और पुतिन का व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेंगे शी जिनपिंग

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ़्ते तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर जाएँगे। यह सात साल से भी ज्यादा समय में उनकी पहली चीन यात्रा होगी। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मेजबानी में होने वाली इस बैठक से वैश्विक दक्षिण एकजुटता प्रदर्शित होने, प्रतिबंधों से जूझ रहे रूस को एक और कूटनीतिक मंच मिलने और बीजिंग के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करने की उम्मीद है। खबर यह भी है कि शी जिनपिंग नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन का व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेंगे, जो डोनाल्ड ट्रम्प

के टैरिफ के बीच वैश्विक दक्षिण एकजुटता का एक शक्तिशाली प्रदर्शन होगा। प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के अलावा मध्य एशिया, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के नेताओं को एससीओ शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है, जो 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन में आयोजित किया जाएगा। हाल ही में नई दिल्ली में रूसी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें भारत, चीन और रूस के बीच त्रिपक्षीय वार्ता की उम्मीद है। भारत के लिए, एससीओ शिखर सम्मेलन महत्वपूर्ण है क्योंकि नई दिल्ली 2020 के सीमा संघर्षों के बाद बीजिंग के साथ संबंधों में आई नरमी को बनाए रखना चाहता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, विश्लेषकों को विश्वास-निर्माण के और कदम उठाने की उम्मीद है, जिनमें सैनिकों की वापसी, व्यापार बाधाओं में ढील और नए सहयोग क्षेत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की 25वीं बैठक के लिए चीन के तियानजिन का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो अभी भी एक चुनौती बनी हुई हैं... एससीओ में 10 सदस्य हैं। भारत के अलावा, इनमें बेलारूस, चीन, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। तियानजिन में आगामी 25वें एससीओ शिखर सम्मेलन के कार्यक्रम में 31 अगस्त की शाम को एक स्वागत भोज शामिल है।

जर्मन अखबार का दावा-मोदी ने ट्रम्प का फोन नहीं उठाया

4 बार बातचीत से इनकार, अमेरिकी डेलीगेशन को भी दिल्ली आने से रोका

एजेंसी

नई दिल्ली, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने टैरिफ को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को चार कॉल किए थे, लेकिन पीएम मोदी ने उनसे एक बार भी बात नहीं की। इससे दोनों नेताओं के बीच तनाव बढ़ गया। यह दावा जर्मन न्यूज पेपर ऋअ? ने किया है। हालांकि अखबार ने अपनी रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि ये कॉल कब किए गए थे। अखबार के मुताबिक ट्रम्प की आक्रामक ट्रेड पॉलिसी और भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहने से मोदी नाराज हैं। पहले दोनों नेताओं के बीच अच्छे रिश्ते थे, लेकिन अब भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए होने वाली बातचीत रद्द कर दी है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को नई दिल्ली आने से रोक दिया गया। ट्रम्प ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया है, जिसमें से 25% टैरिफ जुमार्ने के तौर पर लगाया गया है, जो 27 अगस्त यानी कल से लागू होगा। ट्रम्प का कहना है कि भारत के रूसी तेल खरीदने की वजह से पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। अखबार में एक्सपर्ट्स के हवाले से लिखा है- आमतौर पर ट्रम्प का तरीका यह है कि पहले वे किसी देश पर व्यापार घाटे को लेकर हमला बोलते हैं, फिर ऊंचे टैरिफ की धमकी देते हैं। इसके बाद डरकर बातचीत शुरू होती है और आखिरकार वह ऊंचा टैरिफ लगाकर, फिर कुछ छूट देकर खुद को विजेता बताने की कोशिश करते हैं। कई देशों के साथ ऐसा हुआ है और ट्रम्प ने यह दिखाया कि अमेरिकी बाजार पर उनकी पकड़ कितनी मजबूत है, लेकिन मोदी ने इस बार झुकने से इनकार कर दिया। न्यूयॉर्क के न्यू स्कूल के भारत-चीन इंस्टीट्यूट के को-डॉयरेक्टर मार्क फ्रेजियर का कहना है कि अमेरिका की भारत को चीन के खिलाफ इस्तेमाल करने की रणनीति नाकाम हो रही है। भारत ने कभी भी चीन के खिलाफ अमेरिका के साथ पूरी तरह खड़े होने का वादा नहीं किया था। अखबार ने लिखा है कि पीएम मोदी को ट्रम्प के बर्ताव से बहुत ज्यादा बुरा महसूस हुआ है। वह मोदी को उस पुराने अपमान की याद दिला रहे हैं, जो लगभग एक दशक पहले उन्हें जिनपिंग से मिला था। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तब गुजरात आए थे और मोदी से दोस्ती का वादा किया था, लेकिन उसी समय चीन की सेना हिमालय में भारतीय इलाके में घुस आई थी। इसके बाद भी मोदी ने जिनपिंग से अच्छे रिश्ते बनाने की कोशिश की, लेकिन हालात तब और बिगड़ गए जब चीनी सैनिकों से भारतीय जवानों की झड़प हो गई। उस घटना के बाद से कहा जाता है कि मोदी के मन में गहरी कड़वाहट बैठ गई। अब ट्रम्प का रवैया भी कुछ ऐसा ही हो गया है। फरवरी में वे मोदी को व्हाइट हाउस बुलाकर उनकी तारीफ कर रहे थे और उन्हें एक फोटो एल्बम भेंट कर रहे थे। दोनों देशों के रिश्ते काफी बेहतर चल रहे थे। यहां तक कि दिल्ली के पास ही ट्रम्प के नाम से लग्जरी टावर बने, जिनके 300 फ्लैट (कीमत 108 करोड़ रुपए तक) एक ही दिन में बिक गए, लेकिन हाल की घटनाओं ने माहौल बदल दिया।

13 साल बाद पाक विदेश मंत्री ढाका पहुंचे

यूनुस ने एसएएआरसी को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया

एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने के अपने प्रयासों को फिर से शुरू किया है, जो 2016 में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित उरी आतंकी हमलों के बाद से अधर में लटका हुआ है, जिसमें 17 भारतीय सैनिक मारे गए थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ अपनी बैठक के दौरान,

यूनुस ने एक बार फिर इस्लामाबाद के साथ न केवल द्विपक्षीय संबंधों, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग को भी मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मजबूत क्षेत्रीय जुड़ाव के उनके प्रयासों के केंद्र में सार्क को फिर से सक्रिय करने का यूनुस का नया प्रयास है।

डार की उपस्थिति में यूनुस ने कहा मैं सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) को प्रोत्साहित करता हूं और पाकिस्तान तथा अन्य सार्क देशों के साथ हमारे संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक मानता हूं। डार 13 वर्षों में बांग्लादेश की यात्रा करने वाले पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री हैं।

यूनुस ने सार्क के पुनरुद्धार के लिए पिछले साल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। यह मुलाकात उनके पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद हुई थी। उनकी चर्चाओं में सार्क के पुनरुद्धार का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका सहित इस संगठन ने 2014 में काठमांडू में हुए सम्मेलन के बाद से कोई शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया है।

विश्व में भारत के योगदान का समय आ गया है...

आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में, संगठन के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस अपनी यात्रा के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। आरएसएस का सार हमारी प्रार्थना की अंतिम पंक्ति में निहित है, जिसे हम प्रतिदिन दोहराते हैं, 'भारत माता की जय'। यह हमारा देश है और हमें इसकी प्रशंसा करनी चाहिए और इसे दुनिया में नंबर एक बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया करीब आ गई है, और इसलिए हमें वैश्विक स्तर पर सोचना होगा। भागवत ने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार उन्होंने कहा था, ₹प्रत्येक राष्ट्र का एक मिशन होता है जिसे पूरा करना होता है₹... भारत का भी अपना योगदान है। यदि किसी देश को नेता बनना है, तो उसे अपने लिए ऐसा नहीं करना चाहिए, बल्कि उसके नेतृत्व को विश्व व्यवस्था में एक आवश्यक नई गति लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस की स्थापना का उद्देश्य भारत के लिए है, इसका कार्य भारत के लिए है, और इसका महत्व भारत के 'विश्वगुरु' बनने में निहित है। विश्व में भारत के योगदान का समय आ गया है। मोहन भागवत ने कहा कि क्रांतिकारियों की एक और लहर आई। उस लहर से कई ऐसे उदाहरण निकले जो आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। उस क्रांति का उद्देश्य आजादी के बाद समाप्त हो गया। सावरकर जी उस लहर के एक देदीप्यमान रत्न थे। वह लहर अब मौजूद नहीं है और उसकी जरूरत भी नहीं है, लेकिन वह लहर देश के लिए जीने-मरने की प्रेरणा थी। 1857 के विद्रोह के बाद, कुछ लोगों ने आजादी हासिल करने के लिए राजनीति को हथियार बनाया और इस नई लहर का नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस रखा गया। इससे कई राजनीतिक दल निकले। उन्होंने आजादी के अपने लक्ष्य को हासिल किया... अगर उस आंदोलन ने, उस लहर ने आजादी के बाद भी उस तरह से प्रकाश डाला होता जैसा उसे होना चाहिए था, तो आज तस्वीर बिल्कुल अलग होती। मोहन भागवत ने कहा कि हम इस वर्ष 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं

मोहन भागवत ने कहा कि हम इस वर्ष 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, लेकिन इस तरह के संगठन का विचार डॉक्टर साहब के मन में 1925 से कई साल पहले ही पनप गया था। उस विचार ने आकार लिया और 1925 की 'विजयदशमी' के बाद डॉक्टर साहब ने इसकी घोषणा की।

उपराष्ट्रपति का चुनाव हार-जीत की नहीं, सिद्धांतों की लड़ाई है

बोले अखिलेश- हमें उम्मीद है कि...

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के प्रमुख घटक समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि उपराष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव हार-जीत की नहीं, बल्कि सिद्धांतों की लड़ाई है और उम्मीद जताई कि न्याय के पक्षधर सभी दलों के सदस्य अपनी अंतरात्मा की आवाज पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करेंगे। लखनऊ दौरे पर आए इंडिया की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एवं उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायामूर्ति बी. सुदर्शन रेड्डी का सपा कार्यालय में स्वागत करने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश यादव ने कहा, आज जिन राजनीतिक परिस्थितियों में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हो रहा है और हम जिस न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं

तमिलनाडु में नाश्ता योजना का बड़ा विस्तार, 20 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित

स्टालिन ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ यहां सेंट जोसेफ प्राइमरी स्कूल में बच्चों को भोजन परोसा और योजना के विस्तार की औपचारिक शुरूआत की।

एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को राज्य के शहरी क्षेत्रों में डीएमके सरकार की प्रमुख पहलों में से एक 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के विस्तार का उद्घाटन किया। स्टालिन ने अपने पंजाब समकक्ष भगवंत मान के साथ, जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, यहाँ सेंट जोसेफ प्राइमरी स्कूल में बच्चों को भोजन परोसा

झूठ को सच नहीं बनाया जा सकता : गिरिराज सिंह

एजेंसी

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को बिहार में कांग्रेस की 'मतदाता अधिकार यात्रा' की आलोचना की और कहा कि विपक्ष झूठ को सच नहीं बना सकता। पत्रकारों से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने वोट चोरी के आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि वे बिहार के दौरे पर हैं, तो उन्हें दौरा करने दीजिए, यह उनका काम है, लेकिन वे झूठ को सच नहीं बना सकते। 'वोट चोरी' एक झूठ है। आज 26 अगस्त है, वे एक भी मतदाता का पंजीकरण क्यों नहीं करा पाए? इससे साबित होता है कि वे झूठ को सच बनाना चाहते हैं। विपक्ष पर वार करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि क्या वे (विपक्ष) चाहते हैं कि बांग्लादेशी यहां वोट दें? क्या ये लोग बिहार को भोला समझते हैं? क्या वे बिहार की जनता को गुमराह करना चाहते हैं? तंज भरे लहजे में भाजपा नेता ने कहा कि जो दो लोग (राहुल गांधी और तेजस्वी यादव) बिहार की सड़कों पर घूम रहे हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने दशकों तक गरीबों को वोट नहीं डालने दिया। क्या बिहार उन्हें नहीं जानता... उनके पास कोई जनसमर्थन नहीं बचा है और बार-बार हार की

हताशा में वे भारत की संवैधानिक व्यवस्था को तोड़ने में लगे हैं। बिहार की जनता सतर्क है। बिहार में मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची पर लगाए गए आरोपों के कारण किसी भी तरफ झुकता हुआ नहीं दिख रहा है, इसलिए भाजपा अपने लिए स्थिति स्थिर करने पर विचार कर रही है। इससे पहले आज, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव सहित भारतीय राष्ट्रीय विकास गठबंधन (आईएनडी) के नेताओं ने सुपौल में अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' की। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि अगर ₹वोट चोरी₹ न होती, तो कांग्रेस सत्ताधारी पार्टी होती। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के साथ है। अगर ₹वोट चोरी₹ न होती, तो प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनते।

हमने सबूत दिखाए हैं कि वोट चोरी के कारण ही भाजपा के उम्मीदवार हर निर्वाचन क्षेत्र में जीते हैं। यही कारण है कि हम ₹वोट चोर₹ - ₹गद्दी चोर₹ कहते हैं। आने वाले दिनों में अखिलेश यादव जी, झारखंड के मुख्यमंत्री, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेताओं सहित इंडिया गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता इस यात्रा में शामिल होंगे।

बिहार में 16 दिनों तक चलने वाली ₹मतदाता अधिकार यात्रा₹, जिसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव शामिल हैं, का उद्देश्य मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिसे विपक्षी नेताओं ने ₹वोट चोरी₹ यानी वोट चोरी का मामला करार दिया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत कजरौठ विकासखंड इगलास अलीगढ़

पत्रांक मेमो। पंचम वि०/मनरेगा/पन्द्रह वि०/निर्माण/2024-25 दिनांक 27-08-2025 .

अल्पकालीन निविदा/ टेंडर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सामग्री हेतु सील बंद कोटेशन दिनांक 04-09-2025 को समय 12:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत कजरौठ पर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। तथा कोटेशन दिनांक 04-09-2025 को 4:00 बजे अधोहस्ताक्षरी की उपस्थिति में खोले जाएंगे ।

क्रम संख्या	कार्यस्थल का विवरण	सामग्री
1-	सामुदायिक शौचालय मरम्मत कार्य।	1.80 लाख
2.	विजय के प्लांट से अशोक के प्लाट तक सीसी कार्य।	2.90लाख
3.	सीसी रोड से आगे ओमपाल के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली।	2.60लाख
4.	भोलेनाथ के मंदिर प्रांगण में इंटरलॉकिंग कार्य।	2लाख

नियम व शर्तें

1.निविदा प्रपत्र कार्यालय कार्य दिवस में एवं कार्यालय समय में शुल्क देकर प्राप्त कर सकते हैं ।

2. सामग्री आपूर्ति में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए गुणवत्ता खराब होने पर निविदा विना पूर्व सूचना के निरस्त की जा सकती है।

3.सामग्री आपूर्ति कार्य स्थल पर प्राप्त होने के बाद एवं सामग्री का बिल ग्राम पंचायत को प्राप्त करने के बाद भुगतान किया जाएगा।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कजरौठ

पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत कजरौठ